RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:291 ता. 16 मई 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कर्नाटक का फैसला आने के बाद, मिशन 2024 की तैयारियों में जुटी भाजपा और कांग्रेस

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा और कांग्रेस तीन राज्यों में आने वाले विधानसभा चुनावों के साथ मिशन 2024 की तैयारियों में जुट गई हैं।

इस कड़ी में भाजपा जहां बेहतर प्रदर्शन की राह में बार-बार रोड़ा बन रहे राज्य नेतृत्व का हल निकालने की कोशिश करेगी, वहीं कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाए रखने के लिए राहुल गांधी जल्द ही एक और यात्रा पर रवाना हो सकते हैं।?भाजपा की मुख्य चिंता मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ जैसे राज्य हैं, जहां इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

सत्ता से संगठन तक फेरबदल की रणनीति....

कर्नाटक के नतीजों के बाद भाजपा सूत्रों ने कहा कि कमजोर राज्य नेतृत्व एक बार फिर पार्टी के लिए समस्या बना है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हारने के बाद पार्टी ने राज्यों में शीर्ष से निचले स्तर तक बदलाव की रणनीति तय की थी। उत्तराखंड, गुजरात और कर्नाटक में इसे चरणबद्ध तरीके से लागू भी किया गया। अब पार्टी एक बार फिर इस रणनीति पर विचार करेगी।

ब्रांड मोदी की इमेज पर कोई असर नहीं

भाजपा का मानना है कि कर्नाटक में हार से ब्रांड मोदी की इमेज पर कोई असर नहीं पड़ा है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि हर उस चुनाव में ब्रांड मोदी के कमजोर होने का प्रचार किया जाता है, जहां भाजपा असफल रहती है।

भाजपा मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की भी समीक्षा करेगी। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नेतृत्व पर स्थिति साफ नहीं है।

आंकड़े बताते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड मोदी का असर अब भी कायम है। मसलन, बीते विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी ने राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में सत्ता गंवा दी थी, मगर लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में पार्टी ने क्लीन स्वीप किया। प. बंगाल और झारखंड में भी पार्टी का प्रदर्शन विधानसभा के मुकाबले लोकसभा में

कहीं बेहतर रहा।

पूर्व से पश्चिम की ओर राहुल की एक और यात्रा की तैयारी

कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा जिन सात जिलों से होकर गुजरी, वहां कांग्रेस को 37 सीटों पर सफलता मिली।

कर्नाटक में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जिन सात जिलों से होकर गुजरी वहां कांग्रेस को 37 सीटों पर सफलता मिली।

इस सफलता को भुनाने और संयुक्त विपक्ष के नेतृत्व का दावा मजबूत करने के लिए पार्टी अब पूर्व से पश्चिम की ओर राहुल की एक और यात्रा की तैयारी में जुट गई है।

पार्टी का मानना है-मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में इसका लाभ मिल सकता है।

तेलंगाना और केरल में गठबंधन नहीं

कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस के सुर में बदलाव आया है। पार्टी के नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा है कि तेलंगाना और केरल में बीआरएस और वाम दलों के साथ गठबंधन संभव नहीं है। दूसरे राज्यों में गठबंधन के लिए मजबूत कोशिश जारी रहेगी।

पिछड़ने की वजह तलाशने क्षेत्रवार समीक्षा करेगी भाजपा

कर्नाटक में मिली करारी हार के कारणों की तलाश में भाजपा पार्टी के क्षेत्रवार प्रदर्शन की समीक्षा कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। पार्टी बीते चुनाव की तरह ही इस चुनाव में लगभग समान मतप्रतिशत हासिल होने के बावजूद मिली हार के कारण भी तलाशेगी।

पिछली बार जहां भाजपा को 36.4 प्रतिशत मतों के साथ 104 सीटों पर जीत मिली थी, वहीं इस बार इस वोट प्रतिशत में मात्र 0.4 प्रतिशत की कमी आने पर पार्टी ने 38 सीटें गंवा दीं। प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील के साथ बैठक के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने विपक्ष के प्रधानमंत्री मोदी की हार के दावे को खारिज करते हुए कहा कि लचर प्रदर्शन के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। हिंदुत्व एजेंडे पर चुनाव लड़ने के आरोप को भी विपक्ष का दुष्प्रचार बताया।

बोम्बई का दावा...लोकसभा चुनाव पर नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव

बोम्मई ने दावा किया कि हार का लोकसभा चुनाव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि साल 2013 के चुनाव में पार्टी को विधानसभा की महज 40 सीटें मिली थी, जबकि लोकसभा में 19 सीटें मिलीं। इसी प्रकार 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी को 28 में से 25 सीटें मिलीं।

एसटी आरक्षित सभी 15 सीटें हारी भाजपा

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग की सभी 15 सीटें भाजपा हार गई। वहीं अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग की 36 में से 24 पर भी उसे हार का सामना करना पड़ा। 2018 में इन 51 में से 22 पर उसने जीत दर्ज की थी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रहते हुए बसवराज बोम्मई ने राज्य में एससी-एसटी वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन इसका कोई फर्क मतदान में नहीं पड़ा। एससी की 13 सीटों पर भाजपा दूसरे स्थान पर रही।

2 माह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल पर मिलने लगेगी यह सुविधा

नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सफर कर रहे हैं तो पेट्रोल की दिक्कत खड़ी हो सकती है। एक्सप्रेसवे के लंबे हिस्से में कहीं कोई पेट्रोलपंप नहीं है। इससे कई बार उन लोगों के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है, जो गाड़ी में कम ईंधन के साथ चलते हैं। उधर, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भी छह में से तीन ही पेट्रोल पंप चल रहे हैं, जिससे नोएडा से सोनीपत की तरफ जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन्हीं दिक्कतों को देखते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने सभी संबंधित एजेंसियों को दो महीने का लक्ष्य दिया है, जिसमें उन्हें निर्माण से लेकर सभी एनओसी प्राप्त कर पेट्रोल पंप चलाने होंगे। 135 किलोमीटर लंबे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को पांच वर्ष पहले यातायात के लिए खोला गया था। उस वक्त लक्ष्य रखा गया था कि एक वर्ष के अंदर एक्सप्रेसवे किनारे छह स्थानों पर पेट्रोल पंप, ढाबे, रेस्टोरेंट और वाहनों की मरम्मत के लिए वर्कशॉप खुल जाएगी, लेकिन समय गुजरता चला गया है और एजेंसियों ने आगे कोई काम नहीं किया। तमाम जद्दोजहद के बाद नोएडा की सीमा में दो और गाजियाबाद की सीमा में मुरादनगर के पास एक पेट्रोल पंप ही खुल सका, लेकिन अब सड़क किनारे जनसुविधा को लेकर एनएचएआई सख्त है। उसने उन तमाम एजेंसियों को अंतिम नोटिस दे दिया है, जिन्हें पेट्रोल पंप, होटल व अन्य जनसुविधा विकसित करने का काम मिला था। एजेंसियों से कहा गया है कि अगर दो महीने के अंदर जनसुविधा विकसित करके लोगों को सुविधा नहीं दी गई तो प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा।

241 किलोमीटर लंबे हिस्से में अभी सुविधाओं की कमी-दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को इस वर्ष की शुरुआत में गुरुग्राम के सोहना से राजस्थान के दौसा तक यातायात के लिए खोला गया था। कुल 241 किलोमीटर लंबे हिस्से में वाहन दौड़ रहे हैं,

बलोदाबाजार में ट्रक और पिकअप गाड़ी में भीषण भिड़ंत

6 लोगों की मौके पर ही मौत

बलोदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक बच्चे और महिला समेत कुल छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बलौदा बाजार जिले में सोमवार को ट्रक और पिकअप गाड़ी की जोरदार टक्कर में एक बच्चे और महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बलौदा बाजार के एसएसपी दीपक झा ने बताया कि दो दर्जन से अधिक लोगों को ले जा रही पिकअप गाड़ी को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना पलारी पुलिस थाना क्षेत्र के तहत गोदा पुल के पास हुई। पुलिस मृतकों की शिनाख्त करने में जुटी है।

मणिपुर में फिर हिंसा, जला दिए गए कई मकान; शाह से मिलने दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री

इंफाल। मणिपुर में हिंसा की आग अभी पूरी तरह से बुझी नहीं है। शनिवार की रात भी विष्णुपुर और चुराचांदपुर इलाके में लगभग आधा दर्जन घर जला दिए गए। हालांकि इन घटनाओं में किसी की मौत की जानकारी नहीं है। तोरबंग इलाके में आधी रात कुछ उपद्रवियों ने घरों में आग ललगा दी। घनटा की जानकारी के बाद बीएसएफ की दो टुकड़ियां यहां तैनात की गई हैं। इसके अलावा तीन अन्य टुकड़ियों को भी तैनात किया जाएगा। कांगपोकपी जिले में सापमेइना पुलिस स्टेशन के पास भी एक ट्रकर में आग लगा दी गई। बता दें कि मणिपुर में 3 मई से ही हिंसा जारी है। यहां मैतेई समुदाय को एसटी की सूची में शामिल होने को लेकर बवाल हो रहा है। अब तक इस हिंसा में 73 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 250

से अधिक लोग घायल हुए हैं। असम राइफल्स का एक जवान भी उपद्रवियों के हमले में घायल हो या।

दिल्ली रवाना हुए मुख्यमंत्री

मणिपुर के हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। उसके साथ चार कैबिनेट मिनिस्टर भी हैं। बताया जा रहा है कि तीन दिन हिंसा के बाद राज्य का माहौल अब ठीक होने लगा है। भाजपा की तरफ से बताया नहीं गया है कि आखिर मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री दिल्ली क्यों जा रहे थे। उन्होंने रविवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

सख्त की गई सुरक्षा

हिंसा के दौरान सुरक्षाबलों से 456 हथियार छीन लिए गए वहीं हिंसा के मामले में 385 एफआईआर दर्ज की गई है। अब तक 46 हजार से ज्यादा लोगों को निकाला जा चुका है। 26 हजार लोग राहत शिविर में हैं। कांगपोकपी में हाइवे जाम करने के बारे में सवाल किया गया तो प्रशासन की तरफ से कहा गया कि नेशनल हाइवे 2 अभी तक कंप्लीट नहीं हुआ है। अर्धसैनिक बलों की 62 टुकड़ियां और सेना की 126 टुकड़ियां राज्य में तैनात की गई हैं।

भाजपा 30 मई से शुरू करेगी महाजनसंपर्क अभियान

नयी दिल्ली। कर्नाटक में हार के बाद, भाजपा सभी 545 लोकसभा क्षेत्रों में महाजनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के 9 साल पूरे होने के अवसर पर 30 मई से 30 जून तक यह अभियान चलाया जाएगा। शीर्ष केंद्रीय मंत्री, भाजपा के पदाधिकारी और राज्य के मुख्यमंत्री इस दौरान सभी संसदीय क्षेत्रों में एक लाख से अधिक प्रतिष्ठित परिवारों तक पहुंचेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी मई के अंत में

एक महारैली के साथ इस अभियान की शुरुआत करेंगे। पार्टी की दो सदस्यीय केंद्रीय टीम हर लोकसभा सीट पर अभियान का नेतृत्व करेगी, जबकि 14 सदस्यीय केंद्रीय टीम योजना की प्रगति की निगरानी करेगी। समझा जाता है कि इसी तरह की निगरानी और कार्यान्वयन टीमें राज्य, जिला व मंडल स्तर पर काम करेंगी।

अभियान के तीन चरण होंगे। पहले चरण में 25 मई तक सभी राज्य इकाइयों को हर संसदीय क्षेत्र में 250 प्रभावशाली परिवारों और सोशल मीडिया इन्फलुएंसर्स की पहचान करने के लिए कहा गया है। दूसरे चरण में 29 मई से 20 जून तक संसदीय और विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर 51 रैलियां होंगी। तीसरा चरण 20 जून से 30 जून तक चलेगा।

पटियाला के गुरुद्वारे में महिला की हत्या, दुख निवारण साहिब के परिसर में शराब पी रही थी, श्रद्धालु ने मारी गोली; सेवादार घायल

अमृतसर। पंजाब में पटियाला के गुरुद्वारा में बेअदबी मामले में एक श्रद्धालु ने रविवार रात 10 बजे एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोप है कि महिला गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब के परिसर में सरोवर के पास शराब पी रही थी। गोलीबारी में एक सेवादार भी घायल हो गया। आरोपी का नाम निर्मलजीत सिंह है और पटियाला का रहने वाला है। इसे गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, मृतक महिला का नाम परविंदर कौर (32) है। वह गुरुद्वारे के अंदर शराब पी रही थी। तभी गुरुद्वारे के कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश भी की। वे महिला को गुरुद्वारे के मैनेजर के कमरे में पूछताछ के लिए ले जाने की कोशिश कर रहे थे। तब उसने शराब की बोतल से कर्मचारियों पर हमला किया।

आरोपी ने 5 फायर किए, 3 गोली महिला को लगीं

मृतक महिला का नाम परविंदर कौर (32) है। वह गुरुद्वारे के अंदर शराब पी रही थी। तभी गुरुद्वारे के कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश भी की। वे महिला को गुरुद्वारे के मैनेजर के कमरे में पूछताछ के लिए ले जाने की कोशिश कर रहे थे। तब उसने शराब की बोतल से कर्मचारियों पर हमला किया।

सेवादार महिला से पूछताछ कर रहे थे कि तभी आरोपी निर्मलजीत वहां आ गया और उसने फायरिंग शुरू कर दी। निर्मलजीत ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से 5 फायर किए। महिला को तीन गोलियां लगीं, जबकि सेवादार सागर कुमार को भी एक गोली लगी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सागर को रजिंद्रा अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। उसके पेट में गोली लगी है।

कत्ल के बाद सरेंडर किया

अनाज मंडी थाने के SHO ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी का रिवाल्वर भी जब्त कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने कत्ल के बाद सरेंडर कर दिया। पुलिस तथ्यों की जांच के लिए सीसीटीवी खंगाल रही है।

आरोपी का कुछ समय पहले ही हुआ पत्नी से तलाक

आरोपी के करीबियों का कहना है कि निर्मलजीत सिंह सैनी का कुछ समय पहले ही पत्नी से तलाक हुआ था। तलाक के बाद से ही वह तनाव में रहता था और रेगुलर गुरुद्वारे में माथा टेकने के लिए आ रहा था।

मालिश के बाद जेल में सत्येंद्र जैन की क्या डिमांड पूरी, केजरीवाल के पूर्व मंत्री पर नया विवाद

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सत्येंद्र जैन की डिमांड पूरी करने वाले जेल नंबर 7 के सुपरिंटेंडेंट के खिलाफ ऐक्शन की शुरुआत कर दी गई है। जैन की इच्छा के मुताबिक अफसर ने उनके सेल में दो और कैदियों को भेजा था। इससे पहले सत्येंद्र जैन की जेल में मालिश को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। जैन मनी लॉन्ड्रिंग केस में एक साल से जेल में बंद हैं। तिहाड़ जेल के एक अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी एएनआई ने बताया कि जेल नंबर 7 के सुपरिंटेंडेंट के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने दो कैदियों को पूर्व मंत्री की मांग के मुताबिक उनके सेल में ट्रांसफर किया था। सत्येंद्र जैन ने डिप्रेशन का हवाला देते हुए खुद को सामाजिक संपर्क की आवश्यकता बताते हुए जेल में कुछ कैदियों की मांग की थी। तिहाड़ के अधिकारी ने यह भी बताया कि सत्येंद्र जैन के सेल से उन कैदियों को वापस भेज दिया गया है।

सत्येंद्र जैन ने 11 मई को एक आवदेन देकर अपना सेल बदलने की अपील की थी। उन्होंने खुद के डिप्रेशन में होने की बात कहते हुए डॉक्टर की सलाह का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें लोगों से मिलने जुलने को कहा है। 12 मई को 7

कैदियों का ट्रांसफर किया गया, जिनमें से दो को सत्येंद्र जैन की सेल में भेजा गया। एक अधिकारी के मुताबिक, जैन ने कहा था कि उन्हें अकेलापन महसूस हो रहा है। मनोचिकित्सक ने उन्हें सामाजिक संपर्क की सलाह दी है। जैन ने उन्हें कुछ अन्य कैदियों के साथ रखने की अपील की थी।

डायरेक्टर जनरल (जेल) संजय बेनिवाल के मुताबिक, जेल सुपरिंटेंडेंट को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जैन के पास भेजे गए कैदियों को दोबारा उनके सेल में भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि जैन की मांग पूरी करने में प्रक्रिया का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। यह भी बताया जा रहा है कि जिन दो कैदियों को सत्येंद्र जैन के पास भेजा गया उनका नाम भी खुद पूर्व मंत्री ने बताया था। जेल प्रबंधन ने इसे बड़ी लापरवाही माना है। अब पूरे मामले की जांच की जा रही है।

गंगा और यमुना नदियों को साफ करने का अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गंगा और यमुना नदियों को साफ करने और उनके कायाकल्प के लिए कार्य योजना की निगरानी करने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर कहा कि इसके लिए एक विशेष अधिकरण है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एस.नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने याचिकाकर्ता से राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) का रुख करने को कहा। पीठ ने कहा, आप एनजीटी के पास क्यों नहीं जाते? इसके लिए एक विशेष अधिकरण है। हम इस पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं।'' शीर्ष अदालत नदियों को साफ करने और उनके कायाकल्प के लिए कार्य योजना की निगरानी का निर्देश देने की मांग करने वाली स्वामी गुरचरण मिश्रा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

दो दिवसीय दौरे पर मिस्र जाएगें थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे

नई दिल्ली । थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे अगले 2 दिन के दौरान मिस्र के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ से एक महत्वपूर्ण मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात में दोनों देशों के सेना प्रमुख रक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि भारत और मिस्र के सैन्य संबंध एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मिस्र के राष्ट्रपति इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी थे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि थल सेनाध्यक्ष जनरल पांडे, 16 से 17 मई 2023 को मिस्र की यात्रा करने वाले है। यात्रा के दौरान, सेना प्रमुख मेजबान देश के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से मुलाकात करेंगे, जहां वे भारत-मिस्र रक्षा संबंधों को आगे ले जाने के तरीकों पर चर्चा करने वाले हैं। वह मिस्र के विभिन्न सशस्त्र बलों के प्रतिष्ठानों का भी दौरा करने और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने वाले हैं। भारतीय सेना प्रमुख, मिस्र के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ, रक्षा और सैन्य उत्पादन मंत्री और मिस्र के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ के साथ बातचीत करने वाले हैं। वह मिस्र के सशस्त्र बल ऑपरेशन्स प्राधिकरण के प्रमुख के साथ व्यापक विचार-विमर्श भी करने वाले हैं। भारतीय रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मिस्र के साथ भारत के सैन्य संबंध बढ़ रहे हैं, जो भारत के 74वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान स्पष्ट दिखा था। इस परेड में मिस्र के सशस्त्र बलों के एक दल ने अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की थी। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देह फतह अल-सीसी इस परेड के मुख्य अतिथि थे। भारतीय और मिस्र की सेनाओं के विशेष बलों ने इस वर्ष जनवरी में एक्स सायक्लोन-वन नाम का पहला संयुक्त अभ्यास किया था।

असम में लागू होगी समान नागरिक संहिता, 300 मदरसे भी करेंगे बंद : सीएम

हैदराबाद । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि देश में जल्द ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी और बहुविवाह खत्म हो जाएगा। करीमनगर के तेलंगाना में सरमा ने कहा कि भारत में कुछ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने सोचा कि वे चार महिलाओं से शादी कर सकते हैं। लेकिन, मैं कहता हूं कि तुम चार शादियां नहीं कर पाओगे। वे दिन समाप्त होने जा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष और लोकसभा सांसद बंडी संजय कुमार द्वारा आयोजित हिंदू एकता यात्रा को संबोधित कर करते हुए सरमा ने कहा कि भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) आने जा रही है और भारत को एक सच्चा धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने का समय भी आ गया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का नाम लिए बिना सरमा ने कहा कि तेलंगाना में राजा के शासन के स्थान पर राम राज्य आने वाला है। उन्होंने कहा कि राजा के पास सिर्फ पांच महीने बचे हैं। हमें तेलंगाना में राम राज्य चाहिए और यही हमारा लक्ष्य है। हिंदू सभ्यता के आधार पर हमें तेलंगाना में राम राज्य बनाना है। तेलंगाना में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सीएम सरमा ने एआइएमआइएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की आलोचना करते हुए कहा कि हम असम में लव जिहाद को रोकने के लिए काम कर रहे हैं और राज्य में मदरसों को बंद करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। मैंने असम में 600 मदरसों को बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं ओवैसी को बताना चाहता हूं कि इस साल 300 और मदरसों को बंद कर दूंगा। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने टेलीविजन पर कुछ लोगों को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे पर यह कहते हुए देखा कि देश में हिंदुओं के नाम पर अब और कुछ नहीं होगा। सरमा ने जोर देकर कहा कि जब तक सूर्य और चंद्रमा मौजूद हैं, भारत में राष्ट्रवाद और सनातन (धर्म) रहेगा।

राजौरी में एलओसी के पास पाकिस्तानी घुसैपैठिये को पकड़ा

जम्मू । भारतीय सेना ने जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास से एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को पकड़ा जो घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कोटली स्थित करेला गांव के रहने वाले मोहम्मद उस्मान (30) को सैनिकों ने रविवार रात में पकड़ा जब वह तरकुंडी गांव में घुस आया था। अधिकारियों के अनुसार उसके पास से कोई भी आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली है और उससे पूछताछ की जा रही है। इससे पहले भारतीय सैनिकों ने पिछले महीने 29 अप्रैल को पीओके निवासी एक पिता-पुत्र को हिरासत में लिया था जो पुंछ जिले में गलती से सीमा के इस तरफ आ गये थे। उन्हें चाकन दा बाग सीमाक्षेत्र से पाकिस्तान वापस भेज दिया गया।

हिंसक संघर्ष के बाद मणिपुर से 5,800 लोग मिजोरम भागे : अधिकारी

चंदेल । मेइती और आदिवासी समुदायों के बीच हुए हिंसक संघर्ष के बाद मणिपुर से 5,800 से अधिक लोग मिजोरम भाग गए हैं और उन्होंने पड़ोसी राज्य के विभिन्न जिलों में शरण ली है। अधिकारियों ने बताया कि मिजोरम के छह जिलों में चिन-कुकी-मिजो समुदाय के कुल 5,822 लोग अस्थायी राहत शिविरों में रह रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि आइजोल जिले में वर्तमान में सबसे अधिक 2021 विस्थापित लोग हैं तथा इसके बाद कोलासिब में 1,847 और सैतुअल में 1,790 विस्थापित लोग हैं। इस बीच मिजोरम के लोकसभा सदस्य सी लालरोसंगा ने आदिवासियों के लिए अलग प्रशासन की मणिपुर के आदिवासी विधायकों की मांग का समर्थन किया है। यह दावा करते हुए कि आदिवासी लोग अब मणिपुर सरकार के अधीन नहीं रह सकते, 10 कुकी विधायकों ने शुक्रवार को केंद्र से हिंसक झड़पों के मद्देनजर एक अलग प्रशासन बनाने का आग्रह किया था। इन विधायकों में से सात भाजपा के हैं।

अहमदनगर में धार्मिक जुलूस पर हुई पत्थरबाजी, आठ पुलिसकर्मी घायल

अहमदनगर। महाराष्ट्र के अहमदनगर में हिंसा होने की खबर आ रही है। जिले के शेवगाव में रविवार रात एक धार्मिकयात्रा के दौरान दो गुटों में झड़प हो गई जिसके बाद हिंसा और जमकर पत्थरबाजी हुई। हिंसा के दौरान आठ पुलिस के जवान जख्मी हो गए है। इस धार्मिक यात्रा के लिये अतिरिक्त पुलिस, एसआरपीएफ फोर्स की पहले से ही तैनाती की गई थी। हिंसा और पत्थरबाजी के मामले में पुलिस ने 50 लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हिंसा में विलास गायकवाड़ की मौत हो गई थी। 40 साल के विलास इलेक्ट्रिशियन थे। फिलहाल हालात काबू में हैं। यह घटना औरंगाबाद और अहमदनगर शहर से तकरीबन 80 किलोमीटर दूरी पर हुई। मौके पर भारी संख्या में पुलिसबल की तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती पर रविवार शाम को एक जुलूस निकाला गया था। इसी दौरान एक गुट ने जुलूस पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद एक धार्मिक स्थल पर दूसरे गुट की तरफ से भी पथराव किया गया और हिंसा भड़क उठी। पुलिस ने अब तक इस मामले में 50 लोगों को हिरासत मे लिया है। अहमदनगर में बीते एक महीने में हिंसा का यह दूसरा मामला है। बीते अप्रैल में दो गुटों में हुई जबरदस्त भिडंत ने हिंसा का रूप ले लिया था। इस दौरान पत्थरबाजी हुई थी और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। यहां दो लोगों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि उसने हिंसा का रूप ले लिया। इससे पहले शनिवार को ही महाराष्ट्र के अकोला में इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दो समुदायों में झड़प हो गई थी। इसके बाद जमकर पथराव हुआ था। उपद्रवियों ने इस दौरान कई गाड़ियां तोड़ दी थीं। हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

केंद्रीय रक्षामंत्री ने कहा, युद्ध के तौर-तरीके अधिक तेजी से बदल रहे

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पुणे दौरे पर है। पुणे में रक्षामंत्री सोमवार को डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस मौके उन्होंने कहा कि आज दुनिया में जल, थल और वायु के साथ-साथ साइबर और अंतरिक्ष से जुड़े खतरे सामने आ रहे हैं। राजनाथ सिंह ने हमें बदलते परिवेश के साथ-साथ तकनीकी उन्नति की तरफ भी तेजी से बढ़ना है। रक्षामंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में हमने देखा है कि पूरी दुनिया में जितनी तेजी से बदलाव हो रहे हैं, उससे कहीं अधिक तेजी से युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा हमने अब डीपीएसयू के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 928 घटकों की चौथी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की है, जिससे घटकों की कुल संख्या 4,666 हो गई है। राजनाथ ने कहा कि मैं रक्षा क्षेत्र को एक स्थिर झील की तरह नहीं, बल्कि एक बहती हुई नदी की भाँति देखता हूँ। जिस प्रकार एक नदी अपने सामने आई तमाम बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ती रहती है, वैसे ही हमें अपने सामने आई चुनौतियों से पार पाते हुए लगातार आगे बढ़ते रहना होगा।

इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही डीआईटीए ने देश की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया है। हाँ, इस संबंध में और तेजी लाने की आवश्यकता है, क्योंकि हमारे आसपास की दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। हमें भी उसी अनुसार बदलना होगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक सर्जरी भी रक्षा क्षेत्र से गहराई से जुड़ा हुआ हैढ्ढ अक्सर हम देखते हैं कि युद्ध के दौरान कई बार सैनिकों को ज्यादा चोट लग जाती है, उनके शरीर के विभिन्न अंग दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से डैमेज हो जाते हैंढ्ढ इसके लिए प्लास्टिक सर्जरी किसी वरदान से कम नहीं है।

सपा के लिए नई मुसीबत बन सकती है ओवैसी की पार्टी

लखनऊ । असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम प्रदेश में सपा के लिए नई मुसीबत बन सकती है। सपा जिस 'एम-वाई' (मुस्लिम-यादव) समीकरण को अपना मजबूत आधार समझती थी, उसमें नगरीय निकाय चुनाव में बड़ी सेंधमारी हुई है। इस चुनाव में मुस्लिम मतदाता सपा से छिटक गए हैं। उन्होंने बसपा, कांग्रेस व एआइएमआइएम को वोट देकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि अब मुस्लिम मतदाता एक खूंटे में बंधकर नहीं रहने वाले हैं। उन्हें जहां भी बेहतर विकल्प नजर आएगा उसके साथ चले जाएंगे। ऐसे में वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उतरने से पहले सपा को नए वोट बैंक को जोड़ने के साथ ही अपने परंपरागत वोट बैंक को सहेजने के लिए नए सिरे से रणनीति बनानी होगी। अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले हुए नगरीय निकाय चुनाव को उसका सेमीफाइनल माना जा रहा था।

गौरतलब है कि शहरों की सरकार चुनने वाला यह चुनाव सपा को स्पष्ट संदेश देकर गया है। जिस ओवैसी को सपा उत्तर प्रदेश में बहुत हल्के से लेती थी उसने अब जड़ें जमानी शुरू कर दी हैं। सपा ओवैसी की पार्टी को इसलिए भी हल्के में लेती थी क्योंकि प्रदेश में अधिकतर मुस्लिम वोट उसे ही मिलता है। वर्ष 2022 के चुनाव में तो एकतरफा मुस्लिम वोट साइकिल को ही मिला। हालांकि ओवैसी की पार्टी इन सबकी परवाह किए बगैर मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बनाने में जुटी रही। एआइएमआइएम के कारण ही सपा मेरठ नगर निगम के चुनाव में मेयर पद पर तीसरे स्थान पर रही। नगर पालिका व नगर पंचायत की भी कई सीटों पर उसे हार का सामना करना पड़ा।

तेजस्वी यादव ने फिर कहा, विपक्ष को एकजूट होना चाहिए, हमें या नीतीश हो सीएम या पीएम नहीं बनना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली शानदार जीत से विपक्षी दलों के उत्साह बढ़ा हुआ है। इन सब के बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की शानदार जीत हुई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह हार सिर्फ भाजपा और नरेंद्र मोदी की नहीं है। यह हार उनके जितने सहयोगी हैं जैसे कि सीबीआई, ईडी उनकी है। यह गोदी मीडिया की हार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस जीत से देशभर में एक संदेश गया है कि पूरी मजबूती के साथ हमलोक एक होकर लड़े तो भाजपा को हरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कवायद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लालू यादव और हमलोग लगे हुए है।

राजद नेता ने कहा कि हम चाहते है कि सभी एक होकर चुनाव लड़े और जीते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमलोगों की कोई इच्छा नहीं है। ये हमने पहले भी बताया है। हमलोगों का एक मात्र लक्ष्य यह है कि जनता और गरीबी के लिए काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हममें से कोई नहीं पीएम या सीएम बनने का इरादा रखता है। इससे पहले उन्होंने कहा कि था हम कर्नाटक की जनता को बधाई देना चाहेंगे उन्होंने जिस सरकार को चुना वह देश के हालात को देखते हुए चुना। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने तो कल ही कह दिया था कि बजरंग बली भाजपा से नाराज़ हैं। राजद नेता ने कहा था कि दक्षिण भारत में भाजपा ख़त्म हो गई है। मध्य भारत में चोरी और असंवैधानिक तरीके से भाजपा शासन में है।

आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त में नीतीश कुमार एनडीए गठबंधन से अलग हो गए। इसके बाद उन्होंने राजद सहित अन्य दलों के साथ सरकार बना ली। फिलहाल नीतीश कुमार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं। वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी, नवीन पटनायक, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और अखिलेश यादव से भी उनकी मुलाकात हो चुकी है। नीतीश कुमार साफ तौर पर अपील कर रहे हैं कि सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना चाहिए और भाजपा के खिलाफ सब मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए ताकि इस देश के लोकतंत्र को बचाया जा सके। नीतीश कुमार विभिन्न राज्यों के दौरे पर गए जहां तेजस्वी यादव जी उनके साथ मौजूद रहे।

जहरीली शराब ने 10 लोगों की ले ली जान, अनेक गंभीर हालत में भर्ती

- सीएम ने परिजनों को 10 लाख व इलाज कराने वालों को 50 हजार रुपये देने का किया ऐलान

चेन्नै (एजेंसी)। तमिलनाडु के विलुप्पुरम् में जहरीली शराब पीने से 10 लोगों की मौत हो गई और 11 गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। जबकि अभी भी लोग बीमार हो रहे हैं और अस्पताल में भर्ती होनेवालों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। घटना एक्कियारकूपम् के मछुआ बस्ती की है। इधरी सीएम ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख व इलाज कराने वालों को 50 हाजर रुपये आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। जानकारी के अनुसार लोगों के एक समूह ने शनिवार शाम एक कार्यक्रम के दौरान देसी शराब पी थी। पुलिस ने बताया कि जिन्होंने शराब पी थी देर रात तक उन्हें उल्टी होने लगी। जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमईआर) में रविवार तड़के तीन लोगों की मौत हो गई। विलुप्पुरम् जिले के पुलिस अधीक्षक एन श्रीनाथ ने बताया कि देसी शराब पीकर लोगों के उल्टी करने की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस एक्कियारकूपम् के पास मरक्कनम इलाके में कुछ गांवों में छापेमारी कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु के विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों के दो गांवों में रविवार को जहरीली शराब से मरने वाले 10 लोगों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। कई लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं।

पुलिस ने कहा कि शराब तस्करों ने जहरीली शराब बनाने के लिए औद्योगिक मेथनॉल का इस्तेमाल किया होगा। आईजीपी (उत्तर क्षेत्र) कन्नन ने संवाददाताओं को बताया कि 7 पुलिस अधिकारियों को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। दोनों ही मामलों में लोगों ने शनिवार की रात शराब पी थी और रविवार को उल्टी, चक्कर आने और आंखों में जलन की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

मुफ्त बिजली के सामने हवा में तिनके की तरह उड़ गए विपक्ष के मुद्दे

- आप की मुफ्त बिजली बनी लाइफ-लाइन

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में जालंधर के उप-चुनाव में विपक्ष के कई मुद्दों के बावजूद सत्ताधारी पार्टी द्वारा बिजली में रियायत का मुद्दा लोगों के मनों में इस प्रकार गहरा गया था कि चुनावी दंगल में सत्ताधारी पार्टी के प्रत्याशी के समक्ष सुरक्षा कवच बनते हुए विपक्ष द्वारा छोड़े कई अभेद्य अस्त्रों को निरस्त कर दिया। आम आदमी पार्टी के चार कोनों के मुकाबले में सत्ताधारी पार्टी के सामने तीन और बड़े दलों के उम्मीदवार थे, इसमें अकाली, भाजपा और कांग्रेस के सशक्त प्रत्याशी सामने थे। सत्ताधारी पार्टी के सामने विपक्ष के कई मुद्दे पिछले एक वर्ष से गहराए हुए थे, जो मुफ्त बिजली के सामने 'हवा में तिनके' की तरह उड़ गए।

मुख्य तौर पर कानून-व्यवस्था पर विपक्ष तो आप पर बार-बार प्रहार कर रहा था। यहां तक कि सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के पास भी इसका कोई प्रत्युत्तर नहीं मिल रहा था। पूरे पंजाब में जनता के बीच की जा रही नेताओं और मंत्रियों की सामान्य बैठकों और समारोहों के बीच जब जनता कानून-व्यवस्था के बारे में सवाल करती थी तो मेहमान नेता के पास चुप रहने के अलावा कोई चारा नहीं था।

वहीं सत्ताधारी पार्टी की संगरूर में हार भी एक प्रकार से इन्हीं मुद्दों की प्रतिबिंब बन रही थी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं अकाली दल सुप्रीमो प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद बनी हमदर्दी की लहर से भी विभिन्न वर्गों के वोटर का रुझान अकाली दल प्रत्याशी की तरफ बना दिखाई देता था। इसे भी सत्ताधारी पार्टी पर खतरा जताया जा रहा था तो इन सबके चलते कुल मिलाकर उपचुनाव में 'झाड़ू' के 'तिनके' बिखरते दिखाई दे रहे।परिणाम के तौर पर राजनीतिक विश्लेषक लोगों की चर्चा के विपरीत यदि आम जनता की बात करें तो बिजली के बिल में आम आदमी पार्टी द्वारा दी गई रियायत भी कोई कम असरदार नहीं थी। इसमें गरीब वर्ग के साथ-साथ अन्य वर्गीय लोगों को भी बेहद लाभ पहुंचा है।

कश्मीर में जी-20 बैठक की तैयारियां देखकर महबूबा मुफ्ती भड़कीं

कहा- जी-20 से नहीं, सार्क बैठक से होगा भारत को फायदा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में जल्द होने वाली जी-20 बैठक को लेकर जहां इस केंद्र शासित प्रदेश में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है वहीं कश्मीर घाटी तथा आसपास के उन इलाकों जहां जी-20 देशों के प्रतिनिधियों के जाने का कार्यक्रम है, उन क्षेत्रों को खूब सजाया संवारा जा रहा है। बैठक स्थल श्रीनगर में सड़कों और बाजारों का कायाकल्प हो गया है तो वहीं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल गुलमर्ग भी मई के अंतिम सप्ताह में जी-20 देशों के प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस संबंध में बारामूला जिला प्रशासन सभी संबंधित व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहा है। हम आपको बता दें कि इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान कहीं भी कोई पाबंदी नहीं होगी जबकि स्कूल, कॉलेज और बाजार भी खुले रहेंगे। सभी मार्गों पर यातायात सामान्य रूप से चलेगा और विदेशी प्रतिनिधियों की सुविधा के लिए एक उचित यातायात परामर्श भी जारी किया जाएगा। इस समय पूरे गुलमर्ग में मौजूदा संरचनाओं का सौंदर्य बढ़ाया जा रहा है जिसके लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है ताकि समय से सारे काम पूरे हो जाएं। इसके अलावा गुलमर्ग में गाइड और स्थानीय लोग भी बेहद खुश हैं क्योंकि पूरे इलाके का कायाकल्प किया जा रहा है।

दूसरी ओर, श्रीनगर में साज-सज्जा के साथ-

साथ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में लाल चौक निर्वाचन क्षेत्र के डीडीसी सदस्य इंजीनियर एजाज हुसैन ने युवाओं के लिए जी-20 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य कश्मीर में जी-20 शिखर सम्मेलन के महत्व के बारे में लोगों को शिक्षित करना था। हम आपको बता दें कि जी-20 मेगा शिखर सम्मेलन 22 मई से 24 मई तक शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में होने वाला है, जो डल झील के तट पर स्थित है। माना जा रहा है कि यह बैठक जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए काम करेगी, विशेष रूप से कश्मीर पर्यटन को इससे वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। इसलिए स्थानीय लोग जहां इस बैठक के लिए उत्साहित हैं वहीं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने इसके खिलाफ जहर उगला है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि आगामी जी-20 बैठक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के लिए एक 'अच्छी प्रचार कवायद' हो सकती है, लेकिन भारत को दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) का शिखर सम्मेलन आयोजित करने और क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करने से ही 'विश्वगुरु' बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''हम जी-20 के सदस्य देश- ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका या जापान, के करीब नहीं रहते हैं। हम इस क्षेत्र में रह रहे हैं और दक्षेस इस क्षेत्र की समस्याओं का ध्यान रखता है। यदि सरकार पहल करती है और दक्षेस शिखर सम्मेलन होता है तथा पाकिस्तान में जो कुछ हो रहा है, उसके साथ-साथ इस क्षेत्र द्वारा सामना की जा रही समस्याओं का समाधान होता है तो इससे भारत को इस क्षेत्र में ही नहीं, दुनिया में अग्रणी बनने में मदद मिलेगी।'' महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सरकार को समझना होगा कि रास्ता दक्षेस से होकर जाता है, न कि जी-20 से।

हम आपको बता दें कि काठमांडू में 2014 की बैठक के बाद से द्विवार्षिक दक्षेस शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है। वहीं, अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित करने के बाद कश्मीर में आयोजित होने वाली जी-20 की बैठक पहली अंतरराष्ट्रीय बैठक होगी।

बहनजी और अखिलेश ने नगरपालिका चुनाव में हार पर कहा, चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती भले ही आपस में जंग करते हों, लेकिन जब चुनाव हारने की बारी आती है, तब वे हाथ मिलाकर अपने खराब प्रदर्शन के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हैं। नगरपालिका चुनाव हारने के बाद, अखिलेश ने कहा, उन्होंने (भाजपा) चुनावों को प्रभावित करने के लिए हर चाल की कोशिश की, लेकिन कुछ भी उनके पक्ष में काम नहीं किया। महापौरों और नगरसेवकों के अलावा अन्य पदों के लिए हुए चुनावों में भाजपा को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा।

सपा ने बीजेपी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि मैनपुरी और कई अन्य जगहों पर मतगणना की धीमी गति में उसकी भूमिका है। पार्टी ने कहा कि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि तकनीकी कारणों से मतगणना धीमी थी या अन्य कारणों से मतगणना धीमी थी।

उन्होंने कहा, बीजेपी ने मतगणना प्रक्रिया को प्रभावित करने और चुनाव जीतने के लिए वह सब कुछ किया जो वे कर सकते थे। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को धीमा कर दिया। एक जगह पर, गिने गए वोटों की कुल संख्या डाले गए वोटों की कुल संख्या से अधिक थी। इस दौरान मायावती ने कहा कि चुनाव निष्पक्ष नहीं थे। बसपा को 17 में से एक भी मेयर पद की सीट नहीं मिली। पार्टी ने अलीगढ़ और मेरठ की दो सीटों को खो दिया, जो उसने 2017 के स्थानीय शहरी चुनावों में जीती थी। इस बार राज्य में मेयर पद की सभी सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की है। बसपा ने चुनाव में 11 मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था और बाकी सीटों पर उसने पुराने नेताओं पर दांव लगाया था। हालांकि, यह रणनीति पार्टी के काम नहीं आई। मायावती ने अब राज्य की भाजपा सरकार पर मशीनरी के दुरुपयोग और चुनावों में धांधली करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, अगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से होते तब तस्वीर बिल्कुल अलग होती।

शराब के नशे में धुत्त शख्स ने किया फ्लाइट में हंगामा, महिला से की बदसलूकी

नई दिल्ली । फ्लाइट में बदसलूकी के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। ऐसा ही एक नया मामला दुबई से अमृतसर आने वाली फ्लाइट में देखने को मिला। मिली जानकारी के अनुसार एक यात्री ने दुबई से अमृतसर आने वाली फ्लाइट में महिला क्रू के साथ नशे की हालत में छेड़छाड़ करने की कोशिश की है। दरअसल, जालंधर स्थित कोटली गांव के निवासी राजिंदर सिंह ने फ्लाइट में ज्यादा शराब पीने के बाद नशे की हालात में धुत्त होकर महिला क्रू के साथ अशलील हरकत करने की कोशिश की थी। हालांकि यात्री को प्लेन की लैंडिंग होने के बाद ही सिक्योरिटी मैनेजर की शिकायत पर अमृतसर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और धारा 509 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले एयर इंडिया में महिला के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया था। जो काफी सुर्खियों में भी रहा। बता दें कि इस फ्लाइट में एक शख्स ने इतनी ड्रिंग कर ली थी कि उसे अपना होशों हवास नहीं रहा और पास बैठी महिला पर युरिन कर दिया। जिसके बाद महिला ने इसकी शिकायत भी की और उक्त शख्स को जेल भेजा गया। वहीं हाल ही में डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट जो कि अलास्का जा रही थी उसमें भी यात्री द्वारा अटेंडेट के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया था।

सूडान संघर्ष में 676 लोगों की मौत : संयुक्त राष्ट्र

खारतूम । मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) की रिपोर्ट के मुताबिक, सूडानी सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच संघर्ष में कम से कम 676 लोग मारे गए हैं। सूडान सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच संघर्ष लगातार 30 दिनों तक जारी रहा, खासकर खारतूम में और उसके आसपास। इसमें कम से कम 676 लोग मारे गए और 5,576 घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार 15 अप्रैल के बाद से संघर्ष से 9,36,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, इनमें लगभग 7,36,200 लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं और लगभग 2 लाख लोगों ने पड़ोसी देशों में शरण ली है। अप्रैल के मध्य में संघर्ष शुरू होने के बाद से, खार्तूम के निवासी भोजन की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया है कि लगभग 15.8 मिलियन सूडानी, या सूडान की लगभग एक-तिहाई आबादी को 2023 में मानवीय सहायता की आवश्यकता होगी। यह आंकड़ा बढ़ने की भी संभावना है। 11 मई को, सूडानी युद्धरत दलों ने सऊदी बंदरगाह शहर जेद्दाह में सूडान के नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता की घोषणा पर हस्ताक्षर किए, ताकि आपातकालीन मानवीय सहायता की डिलीवरी की सुविधा प्रदान की जा सके और नागरिकों की सुरक्षित निकासी की गारंटी दी जा सके। हालांकि, दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने और सशस्त्र संघर्ष जारी रखने का आरोप लगाया।

बहुमत न मिलने पर तुर्की में दोबारा होगा राष्ट्रपति पद का चुनाव

अंकारा । तुर्की में दोबारा राष्ट्रपति पर के चुनाव होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। क्योंकि वोटों की गिनती में कोई भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करता दिखाई नहीं दे रहा है। प्राप्त समाचारों के अनुसार अनादोलू के शुरूआती परिणामों में तुर्की के मौजूदा राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन विपक्षी प्रतिद्वंद्वी केमल किलिकडारोग्लू की तुलना में आगे हैं, लेकिन अंतर कम हो गया है। अनादोलु ने बताया, अधिकांश मतों की गिनती होने पर एर्दोगन को 49.67 प्रतिशत मत प्राप्त हुए, जब 93 प्रतिशत मतपत्रों की गिनती की गई, जबकि विपक्ष के नेता केमल किलिकडारोग्लू के लिए 44.59 प्रतिशत वोट मिले। तीसरे उम्मीदवार सिनान ओगन को 5.3 प्रतिशत वोट मिला। यदि किसी भी उम्मीदवार ने पहले दौर में साधारण बहुमत या 50 प्रतिशत वोट हासिल नहीं किए, तो 28 मई को शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दोबारा मतदान होगा। उधर, संसदीय चुनाव के लिए मतों की गिनती भी पूरी हो रही है। अनौपचारिक परिणामों से पता चला कि एर्दोगन की सत्तारूढ़ जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (एकेपी), नेशनलिस्ट मूवमेंट पार्टी (एमएचपी), न्यू वेलफेयर पार्टी और ग्रेट यूनियन पार्टी द्वारा गठित पीपुल्स एलायंस के 323 प्रतिनिधि चुने गए हैं। यह 600 सीटों वाली संसद के लिए तीन गठबंधनों में सबसे अधिक है। छह-दलीय विपक्षी ब्लॉक नेशन एलायंस ने 214 सीट हासिल किया है। वर्तमान कार्यकारी राष्ट्रपति पद को समाप्त करने के लिए जनमत संग्रह कराने के लिए आवश्यक 360 सीटों को हासिल नहीं किया जा सका है।

अंतरिक्ष में रेस्टोरेंट, हवा में उड़ते हुए ले सकेंगे लजीज खाने का मजा

पेरिस । फ्रांस की एक कंपनी अंतरिक्ष में रेस्टोरेंट खोलने जा रही है, ताकि लोग हवा में उड़ते हुए लजीज खाने का मजा ले सकेंगे। दुनिया को चौंकाते हुए फ्रांस के एक स्टार्टअप ने इसका ऐलान किया है। दरअसल, कंपनी अंतरिक्ष में रेस्टोरेंट खोल रही है, जहां 2025 से कोई भी जाकर इस क्रेजी रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट खाने का मजा उठा सकेगा। कीमत की बात करें तो इसकी शुरुआती कीमत 11 हजार डॉलर है। जानकारी के अनुसार फ्रांस की बैलून कंपनी जेफाल्टो यात्रियों को शानदार भोजन के लिए गुब्बारे में अंतरिक्ष के किनारे ले जाने की योजना बना रही है। यदि यह रैस्टोरैंट खुल जाता है तो कोई भी 25 किलोमीटर की ऊंचाई पर हीलियम या हाइड्रोजन से भरे जेफाल्टो गुब्बारों में बैठकर भोजन कर सकेगा। इसके लिए सेलेस्टे नामक एक विशेष प्रकार के गुब्बारे को विकसित किया जा रहा है। यह 90 मिनट तक एक ही स्थान पर रह सकता है, तब तक मेहमान शानदार व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे। इसके लिए शुरुआती बुकिंग 11,000 डॉलर यानी करीब 9 लाख रुपए की रखी गई है। राऊंड ट्रिप के लिए यात्रियों को लगभग 1,31,100 डॉलर यानी तकरीबन 1 करोड़ रुपए देने होंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एयरोस्पेस इंजीनियर विन्सेंट फैरेट डी. एस्टीस द्वारा स्थापित कंपनी जेफाल्टो लोगों को एक गुब्बारे से जुड़े दबाव वाले कैप्सूल में अंतरिक्ष के बेहद करीब भेजेगी, जहां यात्रियों को मिशेलिन-स्टार भोजन परोसा जाएगा। इस संबंध मंडी. एस्टीस ने कहा कि मैंने फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजैंसी के साथ भागीदारी की है और हम इस मुहिम में एक साथ काम कर रहे हैं।

अमेरिकी छात्र वीजा के मुद्दे पर बोले राजदूत गार्सेटी, इस साल हम पहले के नंबरों को पार करने में सक्षम होंगे

वाशिंगटन । भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि हम तकनीक को लोगों के जीवन में सकारात्मक चीज के रूप में देख रहे हैं। भारत में भुगतान की तकनीक देखें कि कैसे उसने भारत के लोगों में एक सकारात्मक किरदार अदा किया है। भारत को देखें और जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक भुगतान ने लोगों को नीचे से ऊपर तक सशक्त बनाया है। हम इसे ऊपर से नीचे तक इस्तेमाल की जा रही तकनीक के रूप में नहीं देखते हैं। गार्सेटी ने कहा कि यह संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के संबंधों में एक अद्भुत क्षण है। यह एक ऐसा क्षण है जिसमें हमें अपनी महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाने की जरूरत है। वहीं अमेरिकी छात्र वीजा के मुद्दे पर भारत में अमेरिकी राजदूत ने कहा कि अगले कुछ हफ़्तों में, हम छात्र वीज़ा का अगला बैच खोल रहे हैं और हम अपने कर्मचारियों को इस पर जितना हो सके ध्यान केंद्रित करने के लिए कह रहे हैं। मुझे लगता है कि हम दिखाएंगे कि इस साल हम पहले के नंबरों को पार करने में सक्षम होंगे और इससे भी बड़ी संख्या में पहुंचेंगे।

महिला ने खूबसूरत बालों को बनाया सफलता की सीढी

-ज़ुल्फ़ें खरीदने के लिए लगती हैं करोड़ों की बोली!

वाशिंगटन । अमेरिका की महिला जैस्मिन लैरसेन ने अपने खूबसूरत बालों को अपनी सफलता की सीढ़ी बना लिया। जैस्मिन लैरसेन जब 25-26 साल की थीं, तभी उन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी को छोड़ दिया था और सिर्फ और सिर्फ अपने खूबसूरत बालों पर फोकस करने लगी थीं। वे बायोकैमिस्ट्री में डिग्री करने के बाद एडिटर की नौकरी कर ही थीं। उनका मन इसी बीच नौकरी से हटा और वे अपना बालों पर ध्यान देकर फुल टाइम हेयर एनफ्लुएंसर बन गईं। अब उनके इंस्टाग्राम पर 1 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और लार्स हेयरकेयर नाम की हेयर एक्सेसरी कपनी चलाती हैं। जैस्मिन के बालों को देखकर उनके बहुत से फैंस बन चुके हैं। ये लोग उसके बालों के इतने दीवाने हैं कि मर्द उनके बाल खरीदने के लिए करोड़ों रुपये देने को तैयार रहते हैं। एक शख्स ने तो उनके बाल खरीदने के लिए 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम ऑफर कर दी थी।इतना ही नहीं बहुत से फैंस उनसे बालों के पर्सनल वीडियो बनाकर शेयर करने के लिए भी रिक्वेस्ट करते हैं। जबकि बहुत से लोग हेयरस्टाइल बनाने के लिए भी रहते हैं। इतना ही नहीं सिर्फ उनके खूबसूरत बालों की वजह से उनके पास शादी के प्रस्तावों की कमी नहीं रहती है। वे बताती हैं कि बचपन से उनकी मां चोटी बनाकर उन्हें स्कूल भेजती थीं। आज जैस्मिन अपनी मां को इस बात के लिए शुक्रिया करती हैं कि उन्होंने इस तरह की हेयरस्टाइल के ज़रिये उनके बालों को प्रोटेक्ट किया। उनके बालों के शो ऑफ को पसंद करने वाले हैं, तो ऐसे बहुत से लोग हैं, जो उन्हें बाल कैंसर पीड़ितों के विग के लिए दान न देने पर ट्रोल भी करते हैं।साल 2017 से जैस्मिन ने कभी भी अपने बाल नहीं कटवाए हैं। वो अपने बालों के लिए सिलिकॉन फ्री तेल का इस्तेमाल करती हैं उनका पसंदीदा हेयरस्टाइल इंग्लिश ब्रेड है, जिससे बाल रूखे-सूखे होने से बच जाते हैं।

रॉकी के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं सिंगर रिहाना

लॉस एजेलिस । पॉप स्टार रिहाना जल्द ही बॉयफ्रेंड रॉकी के दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं। इससे पहले बॉयफ्रेंड संग सिटी में खूब आउटिंग एंजॉय करती नजर आती हैं। बीते बुधवार सिंगर को एक बार फिर रॉकी संग लॉस एंजिल्स में स्पॉट किया गया, जहां कपल का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला। कपल की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब देखी जा रही हैं।

फिलीपींस की एक झुग्गी बस्ती में लगी आग में धवस्त घर।

रूसी क्षेत्र पर हमला नहीं कर रहा यूक्रेन : जेलेंस्की

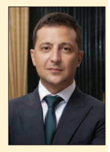

बर्लिन । जर्मनी की यात्रा पर पहुंचे यूक्रेनी राष्ट्रपति ब्लादिमिर जेलेंस्की ने कहा कि कीव की रूसी क्षेत्रों पर हमला करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने रविवार को बर्लिन में जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ बातचीत के बाद यह बात कही। जेलेंस्की ने कहा, हम रूसी क्षेत्र पर हमला नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्रों पर फिर से हासिल करने के लिए पलटवार की तैयारी कर रहे हैं। स्कोल्ज ने यूक्रेन को 2.7 बिलियन यूरो मूल्य के हथियारों का वादा किया। इसमें उन्नत जर्मन लेपर्ड टैंक और अधिक विमान-रोधी प्रणालियां शामिल हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने प्रतिष्ठित शारलेमेन पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आचेन के पश्चिमी शहर की यात्रा की, जो उन्हें और यूक्रेनी लोगों को इस वर्ष प्रदान किया गया था। यह सम्मान यूरोपीय एकता को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए दिया गया है। यह पुरस्कार विंस्टन चर्चिल, पोप फ्रांसिस और बिल क्लिंटन को मिल चुका है। जेलेंस्की की टिप्पणी मॉस्को के इन आरोपों के बीच आई है कि यूक्रेन रूस के अंदर हमला कर रहा है, इसमें महीने की शुरुआत में क्रेमलिन पर ड्रोन हमला भी शामिल है। हालांकि यूक्रेन ने आरोपों से इनकार किया है, लेकिन यह भी जोर देकर कहा कि उसके पास वर्तमान में रूसी नियंत्रण में अपने क्षेत्रों को पूरी तरह से कब्जा करने के लिए बल और अन्य साधनों का उपयोग करने का वैध अधिकार है।

बेबस दिख रही सरकार, पाकिस्तान के चीफ जस्टिस बोले- आ गया चुनाव कराने का वक्त

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट से आ रही तस्वीरें हैरान करने वाली हैं। सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ता सुप्रीम कोर्ट के जज के खिलाफ प्रदर्शन करते नजर आ रहे हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाने के लिए प्रस्ताव भी लाने की तैयारी की जा रही है। वहीं पूरे मामले में चीफ जस्टिस की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने देश में चुनाव कराने की जरूरत बताया है।

पाकिस्तान के चीफ जस्टिस बंदियाल ने कहा कि सरकार बेबस दिख रही है। देश में चुनाव कराने का वक्त आ गया है। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पीडीएम गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर धरना आंदोलन किया है। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस उमर अता बांदियाल ने कहा कि हिंसा के बीच संघीय सरकार असहाय नजर आ रही है। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब चुनाव पर न्यायिक आदेशों का पालन नहीं करने के लिए अधिकारियो की निंदा की है।

नेशनल असेंबली ने सीजेपी के खिलाफ प्रस्ताव लाने की मंजूरी दी

डेली पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने कथित कदाचार को लेकर मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल के खिलाफ मामला दायर करने के लिए सोमवार को एक प्रस्ताव पारित किया। पीटीआई प्रमुख इमरान खान को दिए गए कथित पक्षपात को लेकर न्यायपालिका के खिलाफ जेयूआई-एफ के साथ-साथ पीडीपी के समर्थकों द्वारा चल रहे विरोध के बीच पाकिस्तान के निचले सदन का फैसला आया है। इससे पहले दिन में नेशनल असेंबली के अंदर बोलते हुए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, जेयूआई-एफ नेता असद महमूद और अन्य ने सीजेपी बांदियाल के कथित ÷दोहरे मानकों÷ पर एक प्रस्ताव लाने का आह्वान किया।

तालिबान ने भारत स्थित दूतावास के लिए नया राजदूत किया नियुक्त

काबुल (एजेंसी)। तलिबान ने भारत स्थित अपने दूतावास में नये राजदूत को नियुक्त कर दिया है। जानकारी के अनुसार अफगानिस्तान में तालिबान शासन की तरफ से अफगान राजदूत फरीद मामुंडज़े को वापस बुलाने और वर्तमान ट्रेड काउंसलर कादिर शाह को उनके स्थान पर कार्यकारी राजदूत के रूप में नियुक्त करने का फैसला लिया गया है। ये पूरा विवाद तब सार्वजनिक हो गया, जब अफगान मीडिया ने भारत में स्थित अफगानों का एक पत्र प्रकाशित किया, जिसमें मौजूदा राजदूत और अन्य अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। प्रतिक्रिया में 2020 से भारत में राजदूत मामुंडज़े ने एक पत्र जारी कर आरोपों को एकतरफा, पक्षपातपूर्ण और असत्य करार देते हुए अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक प्रणाली के पतन का आरोप लगाया। हालांकि, तालिबान के विदेश मंत्रालय (एमएफए) के मानव संसाधन निदेशक द्वारा एक पत्र (25 अप्रैल, 2023 को आदेश संख्या 3578) जारी करने के बाद, राजदूत फरीद मामुंडज़े को वापस बुलाते हुए पूछा कि आखिर पिछले एक महीने से दूतावास के भीतर परेशानी कैसे बढ़ रही है। उन्हें काबुल में एमएफए को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया।

जानकारी के अनुसार इसी तारीख को तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के एक अन्य आदेश में कहा गया है कि ट्रेड काउंसलर कादिर शाह भारत में अफगानिस्तान दूतावास में मामलों की निगरानी करेंगे और काबुल में सरकार को रिपोर्ट करेंगे। भारत की ओर से काबुल दूतावास को खोले जाने के बाद तालिबान चाहता था कि उसका राजदूत नई दिल्ली में तैनात किया जाए। तालिबान के विदेश मंत्रालय ने पिछले साल जुलाई में पहली बार अपने राजदूत की तैनाती के लिए अनुरोध किया था।

जयशंकर ने स्वीडन में भारतीय समुदाय के साथ की बातचीत

स्टाकहोम (एजेंसी)। स्टॉकहोम। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्वीडन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की और यूरोपीय संघ (ईयू) एवं हिंद-प्रशांत मंत्रिस्तरीय मंच (ईआईपीएमएफ) के लिए स्टॉकहोम की अपनी यात्रा के दौरान भारत में जारी बदलावों को रेखांकित किया। जयशंकर यूरोपीय संघ हिंद-प्रशांत मंत्रिस्तरीय मंच (ईआईपीएमएफ) में शामिल होने के लिए स्वीडन के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। विदेश मंत्री ने रविवार शाम को ट्वीट किया, ''स्वीडन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करके खुशी हुई। हम अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, ऐसे में मैंने उन्हें हमारे द्विपक्षीय संबंधों की दिशा में हुई प्रगति से अवगत कराया।''

उन्होंने कहा, ''स्वीडन का ईयू के सदस्य, एक नॉर्डिक साझेदार और एक साथी बहुपक्षवादी देश के रूप में महत्व है। हमने भारत में जारी उन बदलावों के बारे में बात की, जो हमारी वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाते हैं और विदेशों में भारतीयों के लिए अवसर पैदा करते हैं।'' इससे पहले जयशंकर ने स्वीडन के अपने समकक्ष टोबियास बिलस्ट्रॉम के साथ रविवार को यहां व्यापक चर्चा की। इस दौरान हिंद-प्रशांत, यूरोप की सामरिक स्थिति तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम मुक्त करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। विदेश मंत्री के तौर पर जयशंकर की यह पहली स्वीडन यात्रा है। जयशंकर ऐसे समय में यह यात्रा कर रहे हैं, जब भारत और स्वीडन अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे कर रहे हैं।

स्वीडन वर्तमान में ईयू परिषद की अध्यक्षता कर रहा है। जयशंकर ने स्वीडन के रक्षा मंत्री पॉल जॉनसन से भी मुलाकात की और दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा पर विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्री ने शनिवार को ईआईपीएमएफ को संबोधित किया और भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐसे ''नियमित, समग्र और स्पष्ट संवाद'' का आह्वान किया, जो केवल आज के संकट तक ही सीमित न हो। उन्होंने कहा, ''वैश्वीकरण हमारे दौर की एक वास्तविकता है। दूरदराज के क्षेत्र और देश दुनिया में कहीं भी होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं से हम अछूते नहीं रह सकते। न ही हम उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार चुन सकते हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''हिंद-प्रशांत खुद ही वैश्विक राजनीतिक की दिशा में तेजी से अहम होता जा रहा है।

चक्रवात मोचा ने मचाई भयंकर तबाही, म्यांमा में तीन की मौत, कई घर तबाह

- बीस लाख लोग हुए प्रभावित, स्कूलों, मठों में ले रखी है शरण, अधिकांश क्षेत्रों से संचार संपर्क खत्म

ढाका (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान मोचा ने पहले ही दिन भयंकर तबाही मचा दी है। म्यांमा के तट पर जैसे ही तूफान ने दस्तक दी तो यहां उथल-पुथल मच गई और इसकी चपेट में आने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मोचा की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई घर तबाह हो गए। इस शक्तिशाली तूफान से बचने के लिए रविवार को हजारों लोग मठों, पैगोडा और स्कूलों में शरण लेने पहुंचे। म्यांमा के मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात मोचा के कारण रविवार दोपहर म्यांमा के रखाइन राज्य में सितवे कस्बे के पास 209 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तूफान पहले बांग्लादेश के सेंट मार्टिन द्वीप से गुजरा, जिससे काफी क्षति हुई और कई लोग हताहत हुए। इससे पहले दिन में तेज हवाओं के कारण कई मोबाइल टावर टूट गए, जिससे अधिकांश क्षेत्र में संचार संपर्क टूट गया। जानकारी के अनुसार चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया, निचले इलाकों में लोग अपने घरों में फंसे हुए थे और कस्बे के बाहर पीड़ितों के चिंतित रिश्तेदार बचाव के लिए अपील कर रहे थे।

म्यांमा के सैन्य सूचना कार्यालय ने कहा कि तूफान ने सितवे, क्योकप्यू और ग्वा कस्बों में घरों, बिजली के ट्रांसफार्मर, सेल फोन टावरों, नावों और लैम्पपोस्ट को नुकसान पहुंचाया है। तूफान के कारण देश के सबसे बड़े शहर यांगून से लगभग 425 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में कोको द्वीप पर खेल भवनों की छतें भी गिर गई हैं। सितवे में आश्रय स्थलों में सहायता कार्य कर रहे टिन नयेन ओ ने कहा कि 3 लाख लोगों की आबादी वाले सितवे में 4 हजार से अधिक लोगों को दूसरे शहरों में ले जाया गया है और 20 हजार से अधिक लोगों ने मठों, पैगोडा और शहर के ऊंचाई वाले इलाकों में स्थित स्कूलों जैसी मजबूत इमारतों में आश्रय लिया है।

स्थानीय चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष लिन लिन ने कहा कि अपेक्षा से अधिक लोगों के आने के बाद सितवे में आश्रय स्थलों में पर्याप्त भोजन नहीं है। म्यांमा में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रतिनिधि टिटन मित्रा ने ट्वीट किया, मोचा ने दस्तक दे दी है। 20 लाख लोग खतरे में हैं। नुकसान और क्षति व्यापक होने की आशंका है। हम इससे निपटने के लिए तैयार हैं और सभी प्रभावित समुदायों तक निर्बाध सहायता पहुंचाने की आवश्यकता होगी। यहां तेज हवाओं और बारिश के कारण कई लोगों के मारे जाने की सूचना मिली। चक्रवात मोचा के मार्ग में आए बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में अधिकारियों ने पहले कहा था कि उन्होंने हजारों लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया। ढाका में बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक अजीजुर रहमान ने कहा कि अभी बांग्लादेश में जोखिम का स्तर काफी हद तक कम हो गया है।

इमरान खान को आर्मी चीफ की सीधी धमकी, हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में इमरान खान और सेना अध्यक्ष के बीच का विवाद बढ़ता ही जा रहा है। अब सेना अध्यक्ष ने इमरान खान को खुले तौर पर चुनौती देते हुए कह दिया है कि यदि सेना पर किसी भी तरह का हमला उनके समर्थकों द्वारा किया जाता है तो उसे बर्दास्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि पहले जनरल कमर जावेद बाजवा पर उनको प्रधानमंत्री की कुर्सी से हटाने का आरोप लगाया था इसके बाद पीटीआई प्रमुख की नए सेना प्रमुख से भी तल्खी लगातार जारी है। कोर्ट से पाक रेंजर्स द्वारा इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद मुल्क हिंसा की आग में झुलस उठा था। लेकिन उस वक्त आर्मी चीफ पाकिस्तान में मौजूद नहीं थे। अब पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने 9 मई के हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने का भी संकल्प लिया। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। गुस्साए पीटीआई समर्थकों ने ऐतिहासिक लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। जनरल आसिम मुनीर ने कहा है कि सशस्त्र बल अपने प्रतिष्ठानों या बर्बरता की पवित्रता और सुरक्षा का उल्लंघन करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने सभी योजनाकारों, उकसाने वालों, भड़काने वालों और 9 मई के काले दिवस पर बर्बरता के निष्पादकों को न्याय दिलाने का संकल्प लिया।

मिली जानकारी के अनुसार जनरल मुनीर ने कोर मुख्यालय पेशावर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि हम शांति और स्थिरता के अपने प्रयासों को जारी रखेंगे और प्रक्रिया को खराब करने वालों के लिए कोई जगह नहीं होगी। अल-कादिर ट्रस्ट मामले में 9 मई को पीटीआई प्रमुख की गिरफ्तारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के हिंसक विरोध को भड़का दिया, जिन्होंने लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस और जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) सहित सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया।

शाहबाज सरकार बुशरा बेगम को जेल में डाल सकती हैं : इमरान

लाहौर। पाकिस्तान डेमोकेट्रिक मूवमेंट (पीडीएम) के नेतृत्व वाली सरकार पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल पर इस्तीफा देने के लिए दबाव बनाने के लिए सोमवार से अपना धरना शुरू करने की तैयारी कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कथित लंदन प्लान का खुलासा किया है, जो चुनाव में देरी और धांधली के लिए उन्हें राजनीति से बाहर रखने के लिए तैयार किया गया है। इमरान के हवाले से कहा, जब मैं जेल में था, तब हिंसा के बहाने उन्होंने जज, ज्यूरी और जल्लाद की भूमिका निभाई। एक ट्विटर थ्रेड में, उन्होंने दावा किया कि अब योजना बुशरा बेगम को जेल में डालकर और मुझे अगले 10 वर्षों तक अंदर रखने के लिए कुछ राजद्रोह कानून का उपयोग कर अपमानित करने की है।

संपादकीय

खुशी और शांति पाने का साधन - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

खुशी और शांति पाने के लिए इंसान तरह-तरह के प्रयास करता है। ज्यादातर सभी लोग सोचते हैं कि धन-दौलत जमा करके, जायदादें इकट्ठी करके, नई-नई खोजें या अविष्कार करके, सत्ता पाकर या फिर नाम प्रसिद्धी प्राप्त करके वह इस दुनिया की हरेक खुशी पा लेंगे। लेकिन अगर हम उन लोगों की ओर देखें जिनके पास ये सब चीज़ें हैं तो हम पाएंगे कि वे लोग फिर भी दु:खी हैं। उन्हें भी यह लगता था कि उन चीज़ों से उन्हें खुशी मिलेगी किंतु इस दुनिया की कोई भी चीज़ हमें सदा-सदा की खुशी नहीं दे सकती क्योंकि यहाँ की हर चीज़ अस्थायी है।

सभी संत-महापुरुष हमें समझाते हैं कि इस संसार की हर चीज़ जड़ता की बनी है और वह एक न एक दिन नष्ट हो जाती है किंतु हमारी आत्मा जोकि परमात्मा का अंष है वह जड़ नहीं, चेतन है और सदा-सदा रहने वाली है। हमारी आत्मा को सच्ची खुशी तभी मिलती है जब वह पिता-परमेश्वर से जुड़ती है। तब वह परमानंद, खुशी, प्रेम और दिव्य ज्योति से भरपूर रहती है। ध्यान-अभ्यास एक ऐसी विधि है जिसके ज़रिये हमारी आत्मा यह दिव्य अनुभव करती है। तब ही हम अपनी आत्मा को जान पाते हैं और प्रभु-प्रेम का अमृत पी सकते हैं। जो लोग ध्यान-अभ्यास करते हैं वह अपने आपको हर समय शांति और आनंद से भरा हुआ पाते हैं। यह अस्थायी शांति नहीं बल्कि ऐसी शांति है जोकि सदा-सदा हमारे साथ रहती है। हमें सिर्फ अपना ध्यान बाहर की दुनिया से हटाकर अंतर में टिकाना है ताकि हम इसका अनुभव कर सकें।

इस समय हमारा ध्यान बाहर की दुनिया में फैला हुआ है। हम अपनी पाँच इन्द्रियों के द्वारा बाहरी संसार और अपने भौतिक शरीर को जान पाते हैं। लेकिन अगर हम अपने ध्यान को 'शिवनेत्र' पर एकाग्र कर लें तो हम अपनी आत्मा के खज़ानों का अनुभव कर पाएंगे। अंतर में ध्यान टिकाने की इस प्रक्रिया को कई नामों से पुकारा गया है जैसे ध्यान-अभ्यास, अंतर्मुख होना या प्रार्थना करना। जिसके ज़रिये ही हमें आंतरिक शांति प्राप्त हो सकती है।

जो लोग आंतरिक शांति का अनुभव कर लेते हैं, वो बाहरी संसार में भी शांति स्थापित करने में मददगार होते हैं। वो कैसे? क्योंकि वो अपने अंतर में शांति प्राप्त कर बाहरी दुनिया की परेशानियों में बहुत ही शांत तरीके से व्यवहार करके उनका समाधान करते हैं और धीरे-धीरे उस शांति को वे अपने चारों ओर के लोगों में भी फैलाते हैं। तो आईये! हम दूसरों को बदलने की बजाय स्वयं को बदलें। अगर हर इंसान व्यक्तिगत स्तर पर ऐसा करे तो वह समय दूर नहीं जब बहुत से लोग शांत हो जाएंगे। यही सच्ची खुशी और शांति पाने का साधन है। यह अस्थायी शांति नहीं बल्कि ऐसी शांति है, जो सदा-सदा हमारे साथ रहती है।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

चुनावी जंग में मूल्यों-आदर्शों का हनन

विश्वनाथ सचदेव

कर्नाटक में जनादेश इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज हो चुका है। 'मेरा जुलूस तुम्हारे जुलूस से बड़ा है' वाली प्रतियोगिता फिलहाल थम गयी है। कुछ दिनों में चुनाव का परिणाम भी सामने आ जायेगा। मतदाता ऐसे भड़कीले चुनाव-प्रचार से कितना प्रभावित होता है, इसके बारे में कोई ठोस सर्वेक्षण सामने नहीं आया है, पर इसमें कोई संदेह नहीं कि राजनीतिक दलों को यह लगता है कि बड़े नेताओं की बड़ी-बड़ी रैलियां, लाखों की उपस्थिति का दावा करने वाले विशाल 'रोड शो', धर्म और जाति के नाम पर मतदाता को भरमाने की कोशिशें चुनाव जीतने का कारगर उपाय हैं। पर शायद इस सबसे महत्वपूर्ण हमारे नेताओं को यह लगता है कि चुनाव-प्रचार में कुछ भी कहा और किया जा सकता है। सब कुछ जायज़ है चुनाव के मैदान में। क्या सचमुच ऐसा है या होना चाहिए? जायज़ माना जाता है, का सबूत तो हमारे नेताओं के कारनामे हैं ही, सवाल जायज़ माना जाना चाहिए को लेकर है। कोई ज़माना था जब मतपत्र को तुलसी-दल कहा जाता और चुनाव को महायज्ञ। पर आज़ादी पाने से आज तक जिस तरह चुनावों की मर्यादा का हनन हुआ है, वह उन सब के लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों में विश्वास करते हैं और मानते हैं कि साध्य की तरह साधन भी पवित्र होने चाहिए। पर चुनाव-दर-चुनाव प्रचार के तौर-तरीके घटिया और खतरनाक होते जा रहे हैं। कर्नाटक के इन्हीं चुनावों की बात करें। चुनाव-प्रचार में क्या कुछ नहीं किया गया। कितना पैसा लुटा, कितना झूठ बोला गया, कितने ग़लत कदम उठाए गये, इसका आकलन शायद कभी नहीं हो सकता। धर्म के उपयोग का ही उदाहरण ले लें। हमारे संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि हमारा जनतंत्र पंथ-निरपेक्षता में विश्वास करने वाला होगा, यहां धर्म व्यक्ति की निजी आस्था का सवाल होगा, धर्म के नाम पर या धर्म के सहारे यहां राजनीति नहीं होगी। पर क्या ऐसा हो रहा है? दुर्भाग्य से इस प्रश्न का उत्तर है- नहीं! ऐसा नहीं है कि हमारे राजनीतिक दल और हमारे नेता धर्म की राजनीति के खतरों से परिचित नहीं हैं। वे सब इन खतरों को जानते हैं, पर मानते नहीं हैं कि धर्म की राजनीति करके वे देश को, समाज को बांटने का खतरनाक खेल खेल रहे हैं। उन्हें सत्ता की कीमत पर यह खतरा बहुत कम लगता है। दुर्भाग्य यह भी है कि लगभग सभी दल और लगभग सभी नेता यही मानकर चल रहे हैं। कर्नाटक में मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में अल्पसंख्यक को आरक्षण बहाल करने और बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। स्पष्ट है लक्ष्य अल्पसंख्यकों को रिझाने का था। भाजपा ने भी मौके का लाभ उठाया और 'बजरंग बली की जय' के उद्घोष को अपना चुनावी नारा बना लिया। आश्चर्य तो तब हुआ जब स्वयं प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की चुनावी सभाओं में 'बजरंगबली की जय' के उद्घोष के साथ अपना भाषण शुरू किया। शायद आश्चर्य नहीं होना चाहिए था हमारे प्रधानमंत्री पहले भी 'जय श्रीराम' के नारे के साथ चुनावी भाषणों की शुरुआत करते रहे हैं। जय श्रीराम या बजरंगबली की जय कहने में कतई कुछ ग़लत नहीं है। पर भगवान राम या राम भक्त हनुमान के नाम पर चुनावी लाभ लेने की कोशिश में तो कुछ भी सही नहीं है। फिर बजरंग दल और बजरंगबली का क्या रिश्ता है? कोई बजरंग दल बजरंग बली का पर्याय नहीं हो सकता। बजरंग दल के क्रिया-कलापों से देश अपरिचित नहीं है।

बजरंगबली के पवित्र नाम को समाज को बांटने वाली ताकतों के साथ जोड़ना अपने आप में एक पवित्र कार्य है। कम से कम देश के प्रधानमंत्री को तो ऐसी किसी भी कोशिश से बचना ही चाहिए। ऐसा नहीं है कि कर्नाटक के चुनाव से पहले बजरंगबली के नाम का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें नहीं हुईं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार के सर्वेसर्वा तो हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर राजनीतिक लाभ उठाने का उदाहरण प्रस्तुत कर ही चुके हैं- अपने सारे मंत्रिमंडल के साथ उन्होंने इस पाठ का आयोजन किया था। नहीं, पाठ कराने में कुछ ग़लत नहीं था। ग़लत इस पाठ का राजनीतिक लाभ उठाना था। आपत्ति तो राजनीतिक स्वार्थों के लिए धर्म के दुरुपयोग पर है। ऐसा भी नहीं है कि हमारे राजनेताओं को इस दुरुपयोग का अहसास नहीं है। वे सब इस बात को जानते हैं कि राजनीतिक दंगल में धर्म का सहारा लेना हमारे पंथ-निरपेक्ष जनतंत्र का अपमान है, संविधान की मर्यादाओं का उल्लंघन है लेकिन वे यह भी समझते हैं कि धर्म के नाम पर इस देश के मतदाता को भरमाया जा सकता है- भले ही यह लाभ सीमित ही क्यों न हो। आवश्यकता इस समझ पर सवाल उठाने की है। अपने घोषणापत्र में मुसलमानों के लिए आरक्षण और बजरंग दल जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की बात करना कांग्रेस के नेतृत्व की ग़लती थी। उतना ही ग़लत तो चुनावी-सभा में बजरंगबली की जय का नारा लगवाना था। यह सब धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिश का उदाहरण है। सवाल सिर्फ चुनावी नफे-नुकसान का नहीं है, सवाल देश के पंथ-निरपेक्ष ताने-बाने को सुरक्षित रखने, उसे मज़बूत बनाने का है। बहुधर्मी देश है हमारा। यह हमारी विशेषता भी है, और ताकत भी। हमारी राजनीति इस ताकत को कमज़ोर करने में लगी है। ऐसी हर कोशिश को विफल बनाना हमारे विवेकशील नागरिक का कर्तव्य है। हमें अपने राजनेताओं को यह बताना होगा कि देश की एकता-संप्रभुता की रक्षा करना उनका कर्तव्य है। सत्ता में बैठे नेता तो इस रक्षा की शपथ लेकर पद ग्रहण करते हैं। पर पता नहीं क्यों राजनीतिक स्वार्थों के लिए वे अपनी इस शपथ को भी भुला देते हैं! संप्रभुता से याद आया, कर्नाटक की एक चुनावी सभा में कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने कर्नाटक की संप्रभुता की रक्षा की बात कह दी थी। यह समझना मुश्किल नहीं था कि इस शब्द का प्रयोग उन्होंने कर्नाटक की पहचान के संदर्भ में ही किया था। पर कांग्रेस के विरोधियों ने इस शब्द को लपक लिया और प्रधानमंत्री तक ने यह कहना ज़रूरी समझा कि कांग्रेस का नेतृत्व देश को बांटना चाहता है! सही है, सोनिया गांधी ने एक शब्द का गलत उपयोग किया था, पर उनकी इस ग़लती से कहीं बड़ी ग़लती इस चूक को कथित 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से जोड़ने की है। चुनावों में लाभ उठाने की कोशिश का एक गलत उदाहरण है यह। चुनाव जनतंत्र की पहचान भी है और जनतंत्र की सफलता की कसौटी भी। चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है, पर उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि चुनाव उचित तरीके से लड़ा जाये। दूसरे की लकीर को छोटा करने के लिए उसे रबड़ से मिटाने की नहीं, अपनी लकीर बड़ी करने की ज़रूरत होती है। चुनाव मुद्दों पर लड़े जाने चाहिए, जुमलों के सहारे नहीं। यह बात हर राजनीतिक दल के लिए लागू होती है। धर्म या जाति के नाम पर वोट हथियाने का मतलब जनतंत्र का अपमान करना है। जनतंत्र का अपमान हमारे संविधान का अपमान है, इस बात को हमारा नेतृत्व आखिर कब समझेगा?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

डेंगू से रहें सावधान

(लेखिका - श्वेता गोयल)

- राष्ट्रीय डेंगू दिवस (16 मई) पर विशेष

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया।

डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं। तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्राय: गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है। किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्राय: बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए। डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

(लेखिका शिक्षिका हैं)

सत्ता का रुतबा दिखाने में हमारे नेताओं ने अंग्रेजों को पछाड़ा

(लेखक-सनत जैन)

18वीं शताब्दी में लार्ड वैलेस्ली ने लंदन की ईस्ट इंडिया से कहा था कि स्थानीय लोगों पर शासन करने के लिये बड़े महल बनाना जरूरी होता है। स्थानीय लोग बड़े-बड़े महल, ठाट-बाट, ऐश्वर्य और अधिकारों को देखकर प्रभावित होते हैं। जनता सत्ता के ऐश्वर्य से प्रभावित होकर नतमस्तक होती है। भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी ने इसी सीख का उपयोग कर भारत की जनता और राजा-महाराजाओं पर 258 साल से अधिक शासन किया था। उसके बाद ईस्ट इंडिया कंपनी से शासन व्यवस्था ब्रिटिश क्राउन के पास चली गई। 1600 में ईस्ट इंडिया कंपनी आई 1947 तक अंग्रेजाओं का शासन रहा। उनने भी वह रुतबा नहीं दिखाया जो वर्तमान शासक दिखा रहे हैं। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी 1600 में भारत आई थी। तब व्यापार करने के लिए आई थी। राजा महाराजाओं के हाथ जोड़े व्यापार की अनुमति ली। उस समय के भारतीय राजा-महाराजा अभी ऐशो-आराम में रहते थे, अय्याशी करते थे। राजाओं की कमजोरी जानकर, ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों ने उन्हें कर्ज दिया। बाद में उन्हीं राजा महाराजाओं के ऊपर शासन करने लगे। इसके बाद 1858 में ब्रिटेन की राजशाही के अधीन होकर हम अंग्रेजों के गुलाम हो गए। अंग्रेज भारत में अल्पसंख्यक थे। सत्ता की ताकत उनके पास थी। सत्ता का रुतबा दिखाकर वह लोगों को नियंत्रण में रखते थे। अंग्रेजों का जलवा देखकर मोहनदास करमचंद गांधी बैरिस्टर बनने के लिए विदेश गए। बैरिस्टर बन भी गए। लेकिन भारतीय होने के कारण अंग्रेजों वाला रुतबा नहीं मिला। अंग्रेजों ने उन्हें ट्रेन के फर्स्ट क्लास के डब्बे से बाहर फेंक दिया। अपमान के बाद उन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी। थर्ड क्लास में सफर किया। एक धोती के दो टुकड़े किए। एक पहना औरा एक ओढ़ा। पैर में रबर की चप्पल पहनी। एक सन्यासी की तरह आजादी की लड़ाई लड़ने की यात्रा शुरू कर दी। अंग्रेजों के सत्ता का रुतबा हमारे पूर्वजों ने नहीं देखा था। अब हमारे नेता सत्ता का रुतबा दिखाने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। नेताओं और अधिकारियों ने अंग्रेजों को भी पीछे छोड़ दिया है। लाल-नीली बत्ती, लगी कारें, नेताओं के आने जाने पर सड़कों को बंद कर देना। बड़े-बड़े आलीशान बंगलों में रहना, निशुल्क मकान, निशुल्क हवाई सफर, निशुल्क पानी, निशुल्क बिजली, भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ सत्ता के अधिकार तले आम आदमियों को भेड़ बकरियों की तरह समझने लगे है। खुद कानून बन गए हैं। जो बोल देते हैं वह कानून बन जाता है। विकसित राष्ट्रों के नेताओं और भारत के नेताओं और अधिकारियों के रुतबे में जमीन आसमान का अंतर है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित लगभग सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा जिस तरह जनता के कर से एकत्रित राजस्व का दुरुपयोग, अपने ऐशो आराम के लिए किया जा रहा है। पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है। हवाई जहाज और लग्जरी कारों का उपयोग कम दुरुपयोग ज्यादा हो रहा है। भारत के राजनेता और अधिकारी सत्ता के रुतबे में हवा में उड़ रहे हैं। भारत की जनता के ऊपर पिछले 10 वर्षों में अनाप-शनाप टैक्स लादे गए हैं। आम आदमी महंगाई और आर्थिक संकट से कराह रहा है। इसके बाद भी सरकार के खर्चे पूरे नहीं हो रहे हैं। सरकारों के ऊपर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। आम आदमी अपना जीवन यापन भी नहीं कर पा रहा है। जिन लोगों ने अंग्रेजों का शासन देखा है, वह कहने लगे हैं कि ऐसा रुतबा तो हमें अंग्रेजों ने कभी नहीं दिखाया। ऐसी फिजूलखर्ची अंग्रेजों ने भी नहीं की जैसे हमारे नेता और अधिकारी कर रहे हैं। सत्ता में बैठे लोगों के रुतबे को देखकर अब माफिया भी सत्ता में पहुंचने की होड़ में शामिल हो गया है। आम जनता कराह रही है।

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ–सफाई और रंग–रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज–सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

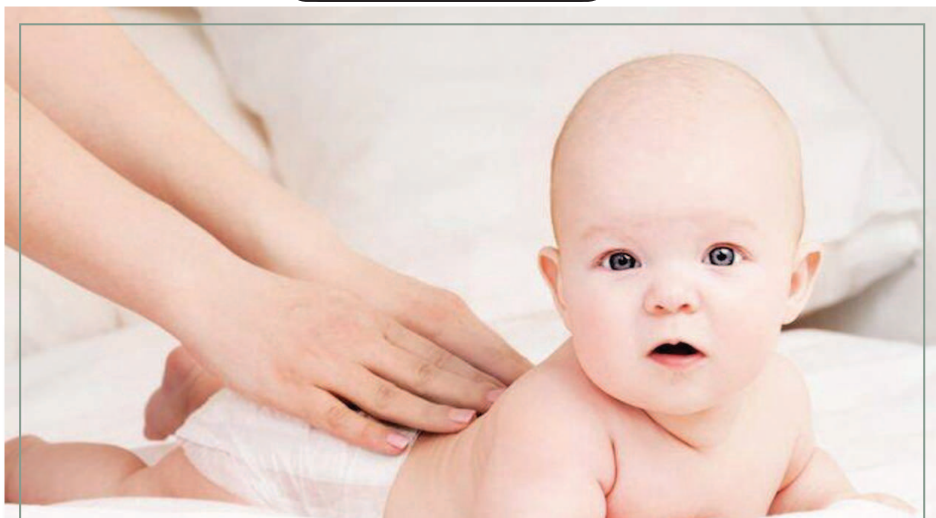

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां–बाप की मशक्कत

- मां–बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना–फिरना होता है मां–बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार–भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा – दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली – दोनों हथेलियों पर धीमे–धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट – दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे – अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन–मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने–जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक–दूसरे को दें वक्त

एक–दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक–दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक– दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

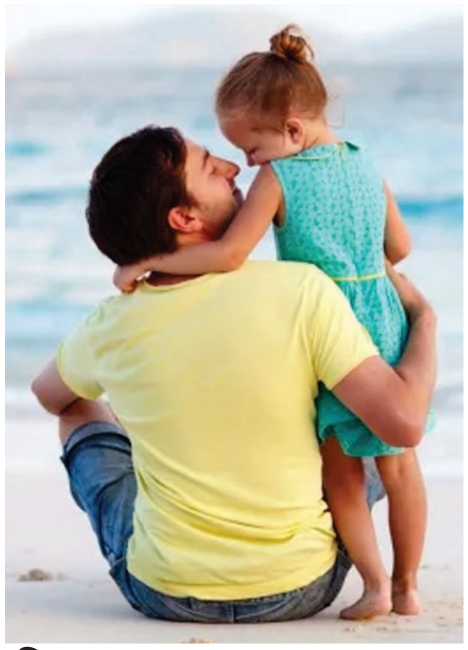

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या–क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी–कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ–दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं– बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना–माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार–पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच–छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होंमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे–धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए–पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1–2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉटर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉटर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग–अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। वैश्विक बाजारों में आई तेजी से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 370 रुपये बढ़कर 61,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 60,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 750 रुपये ऊपर आकर 74,350 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। बाजार जानकारों के अनुसार दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत 370 रुपये की तेजी के साथ ही 61,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गयी है। वहीं विदेशी बाजारों में सोना भी बढ़कर 2,023 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 24.26 डॉलर प्रति औंस पहुंच गयी। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार कीमती धातु को समर्थन मिलने से सोने की कीमतों में ये तेजी आई है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.33 (अस्थायी) प्रति डॉलर पहुंच गया। वहीं विदेशों में डॉलर के मजबूत होने से भी निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.22 प्रति डॉलर के भाव पर खुला और कारोबार के अंत में अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.33 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.18 के उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद 82.37 के निचले स्तर तक फिसला। गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी नीचे आकर 102.56 पहुंच गया।

डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति अप्रैल में शून्य से 0.92 प्रतिशत नीचे आई

नई दिल्ली । थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 34 महीने के निचले स्तर शून्य से 0.92 प्रतिशत नीचे आ गई। खाद्य, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी से यह राहत मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति में लगातार 11 महीनों से गिरावट जारी है और अप्रैल में यह शून्य से नीचे चली गई। इससे पहले जून 2020 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति शून्य से 1.81 प्रतिशत नीचे थी। डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति मार्च में 1.34 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल में 15.38 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति भी अप्रैल में घटकर 3.54 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में 5.48 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अप्रैल, 2023 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से बुनियादी धातुओं, खाद्य उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, गैर-खाद्य वस्तुओं, रासायनिक और रासायनिक उत्पादों, रबर और प्लास्टिक उत्पादों तथा कागज और कागज उत्पादों की कीमतों में कमी के चलते हुई। ईंधन और बिजली खंड की मुद्रास्फीति मार्च में 8.96 प्रतिशत से घटकर अप्रैल में 0.93 प्रतिशत रह गई। अप्रैल में विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति शून्य से 2.42 प्रतिशत नीचे थी, जबकि मार्च में यह 0.77 प्रतिशत थी। डब्ल्यूपीआई में गिरावट अप्रैल के महीने में खुदरा मुद्रास्फीति में कमी के अनुरूप है। इस दौरान खुदरा मुद्रास्फीति 18 महीने के निचले स्तर 4.70 प्रतिशत पर थी।

रुपे डेबिट कार्ड की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए गठजोड़ कर रहा है: एनपीसीआई

नई दिल्ली ।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) रुपे डेबिट कार्ड की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए और गठजोड़ करने के लिए प्रयास कर रहा है। रुपे कार्ड इस समय डिस्कवर ऑफ द यूएस, डाइनर्स क्लब, जेसीबी ऑफ जापान, पल्स और यूनियन पे ऑफ चाइना समर्थित बिक्री मशीनों (पीओएस) पर स्वीकार किए जाते हैं। सूत्रों ने बताया` कि इसे और मजबूत करने की जरूरत है और एनपीसीआई इस दिशा में काम कर रहा है, जिससे रुपे कार्ड के उपयोगकर्ता वीजा या मास्टरकार्ड का उपयोग करने वालों के बराबर पहुंच सकें। रुपे ने मार्च, 2012 में भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय सेवाएं देने के लिए डिस्कवर फाइनेंशियल सर्विसेज से गठजोड़ किया था। रुपे कार्ड ने जुलाई, 2019 में जेसीबी इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड के साथ मिलकर रुपे जेसीबी ग्लोबल कार्ड पेश करते हुए अपनी नेटवर्क क्षमताएं मजबूत की हैं। रुपे जेसीबी ग्लोबल कार्ड का उपयोग भारत में रुपे कार्ड स्वीकार करने वाले केंद्रों पर और देश से बाहर जेसीबी कार्ड स्वीकार करने वाले केंद्रों पर पीओएस, ई-कॉमर्स और एटीएम के लिए किया जा सकेगा।

सचिन ने आजाद इंजीनियरिंग ने खरीदी अल्पांश हिस्सेदारी

हैदराबाद ।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने स्वच्छ ऊर्जा, वैमानिकी, रक्षा और तेल एवं गैस क्षेत्रों के उपकरण विनिर्माताओं के लिए इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध करने वाली आजाद इंजीनियरिंग में रणनीतिक निवेश के साथ अल्पांश हिस्सेदारी खरीदी है। आजाद इंजीनियरिंग ने कहा कि सचिन के इस निवेश से कंपनी को मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों में योगदान देने की प्रतिबद्धता को मजबूती मिलेगी। हालांकि, कंपनी ने इसकी जानकारी नहीं दी है कि सचिन ने रणनीतिक निवेश के तौर पर कितनी राशि लगाई है। इस निवेश के एवज में सचिन को कंपनी में अल्पांश हिस्सेदारी मिली है। कंपनी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक राकेश चोपदार ने कहा, हम एक निवेशक के तौर पर सचिन तेंदुलकर के आने से खासे रोमांचित हैं और यह हमारे लिए बड़े सम्मान की बात है। बेहद जटिल विनिर्माण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली कंपनी के तौर पर आजाद इंजीनियरिंग अपने संकल्प का ध्यान रखेगी और देश के लिए वृद्धि एवं नवाचार के अवसर पैदा करेगी।''

थोक महंगाई में भी बड़ी गिरावट, 34 महीने के निचले स्तर

नई दिल्ली । जनता को महंगाई की मार से अब राहत मिलती दिख रही हैं। खुदरा महंगाई यानी रिटेल इन्फ्लेशन के बाद अब थोक महंगाई में भी बड़ी गिरावट हुई है। थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 34 महीने के निचले स्तर शून्य से 0.92 प्रतिशत नीचे आ गई। खाद्य, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी से यह राहत मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति में लगातार 11 महीनों से गिरावट जारी है और अप्रैल में यह शून्य से नीचे चली गई। इससे पहले जून 2020 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति शून्य से 1.81 प्रतिशत नीचे थी। डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति मार्च में 1.34 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल में 15.38 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति भी अप्रैल में घटकर 3.54 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में 5.48 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, अप्रैल, 2023 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से बुनियादी धातुओं, खाद्य उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, गैर-खाद्य वस्तुओं, रासायनिक और रासायनिक उत्पादों, रबर और प्लास्टिक उत्पादों तथा कागज और कागज उत्पादों की कीमतों में कमी के चलते हुई। ईंधन और बिजली खंड की मुद्रास्फीति मार्च में 8.96 प्रतिशत से घटकर अप्रैल में 0.93 प्रतिशत रह गई। अप्रैल में विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति शून्य से 2.42 प्रतिशत नीचे थी, जबकि मार्च में यह 0.77 प्रतिशत थी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 317 अंक , निफ्टी 84 ऊपर आया

मुंबई ।

शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) के कारण तेजी रही। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों का पूंजी प्रवाह जारी रहने से भी बाजार ऊपर आया है। इसके साथ ही एशियाई व यूरोपीय बाजारों के सकारात्मक रुख से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 317.81 अंक करीब 0.51 फीसदी बढ़कर 62,345.71 अंक पर बंद हुआ। पांच माह बाद सेंसेक्स का उच्चस्तर है। इससे पहले 14 दिसंबर, 2022 को बाजार 534.77 अंक तक उछल गया था।

वहीं पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.05 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी की तेजी के साथ ही 18,398.85 अंक पर बंद हुआ। यह निफ्टी का 20 दिसंबर, 2022 के बाद यह सबसे उच्चस्तर है। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स तिमाही परिणाम की घोषणा के बाद करीब तीन फीसदी मजबूत हुआ। इसके अलावा आईटीसी, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, टाटा स्टील और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। टाटा मोटर्स का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 5,408 करोड़ रुपये रहा। वहीं मारुति सुजुकी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एशियन पेट्स, बजाज फिनसर्व और नेस्ले इंडिया के शेयरों को नुकसान हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,014.06 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने घरेलू शेयरों में रुचि दिखायी है और पहले दो सप्ताह में 23,152 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।

इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार में हल्की बढ़त रही। सेंसेक्स करीब 43 अंक की बढ़त के साथ 62,071.66 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 15.50 अंक की बढ़त के साथ 18,330.30 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई।

वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ ही ऊपर आया है। यूरोप के प्रमुख बाजार भी शुरुआती कारोबार में लाभ में रहे। वहीं अमेरिकी बाजार को नुकसान हुआ। थोक महंगाई दर अप्रैल में शून्य से 0.92 फीसदी नीचे रही। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 फीसदी उछलकर 74.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

अडानी एंटरप्राइजेज और ट्रांसमीशन के साथ रिन्यूएबल एनर्जी भी जुटा सकती है फंड

नई दिल्ली।

अडानी समूह की दो कंपनियों के बाद तीसरी कंपनी अडानी रिन्यूएबल एनर्जी भी फंड जुआ सकेगी। इस तरह से कंपनियों के शेयरों को 21,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना से सहारा मिल सकता है। सप्ताहांत में अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी ट्रांसमिशन ने पात्र संस्थागत नियोजन के जरिए क्रमशः 12,500 करोड़ रुपए व 8,500 करोड़ रुपए जुटाने की योजना की घोषणा की थी। गौतम अडानी की अगुआई वाली बंदरगाह से लेकर बिजली क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अडानी रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ से पूंजी जुटाने का यह नया मामला होगा। गौरतलब है` कि जनवरी में हिंडनबर्ग में आई रिपोर्ट के बाद उसे 20,000 करोड़ रुपए के एफपीओ को टालना पड़ा था। इस रिपोर्ट से निवेशकों का भरोसा डगमगा गया था और इस वजह से समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें काफी नीचे आ गई थी। एक विश्लेषक ने कहा कि जनवरी की रिपोर्ट के बाद चार महीने से कम अवधि में रकम जुटाने का प्रस्ताव बाजार को सही संकेत देगा। यह बताता है कि समूह बाजार में एक बार फिर उतरने को लेकर पर्याप्त रूप से भरोसेमंद है और बड़े निवेशकों से कुछ प्रतिबद्धता हासिल हुई है।

विश्लेषकों के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2022 में शेयरों की दरें 6,100 रुपए रही, जिसके 2023 में 7,106 रुपए और 2024 में 7,639 रुपए पर पहुंचने का अनुमान है। इसके अलावा मध्यम अवधि में मांग-आपूर्ति का आयाम भारतीय हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के लिए बेहतर बना रहेगा। इसके अलावा अडानी रिन्यूएबल एनर्जी ने अपनी बोर्ड बैठक को पुनर्निर्धारित किया है। यह बैठक 13 मई से 24 मई को होनी थी। इसे पुनर्निर्धारित करने के लिए 'कुछ विशेष परिस्थितियों' का हवाला दिया गया था। बोर्ड की बैठक धन जुटाने के प्रस्ताव पर विचार करने और उसे मंजूरी देने के लिए निर्धारित है।

बॉन्ड म्यूचुअल फंड में अप्रैल में 1.06 लाख करोड़ का शुद्ध निवेश

मुंबई । मार्च में भारी निकासी के बाद ऋण या बॉन्ड म्यूचुअल फंड (निश्चित आय वाले फंड) में अप्रैल में जोरदार प्रवाह हुआ। इस दौरान इन योजनाओं ने 1.06 लाख करोड़ जुटाए, जिसमें नकदी योजनाओं की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से साफ होता है कि ऋण जोखिम और बैंकिंग और पीएसयू फंड श्रेणी को छोड़कर बाकी सभी श्रेणियों में शुद्ध प्रवाह दिखाई दिया। कम परिपक्वता वाली श्रेणियों को सबसे अधिक फायदा हुआ। बाजार जानकारों ने कहा कि एक अप्रैल से इंडेक्सेशन से कर लाभ उपलब्ध नहीं होने के कारण निश्चित आय वाले म्यूचुअल फंड के प्रवाह में गिरावट देखी जा सकती है। आंकड़ों के मुताबिक, ऋण म्यूचुअल फंड में अप्रैल में शुद्ध रूप से 1.06 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जबकि इससे पिछले महीने इनसे शुद्ध रूप से 56,884 करोड़ रुपए निकाले गए थे।

मखाना के बीजों पर सरकार दे रही 72 हजार रुपए की सब्सिडी

नई दिल्ली ।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार मखाने की खेती और उसके बीजों पर बंपर सब्सिडी मुहैया करा रही है। बिहार बागवानी विभाग मखाना के उच्च प्रजाति के बीज का प्रत्यक्षण हेतु सरकार 75 प्रे तिशत अनुदान देती है। प्रति हेक्टेयर इन बीजों की इकाई लागत 97 हजार रुपए हैं। ऐसे में सरकार द्वारा किसानों को मखाना के बीजों पर प्रति हेक्टेयर 72,750 रुपए की सब्सिडी दी जाती है। इसके लिए किसान बिहार बागवानी विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर मखाना के बीजों पर सब्सिडी के लिए आवेदन कर सकते हैं। बिहार सरकार किसानों को मखाना प्रसंस्करण उद्योग लगाने के लिए भी सब्सिजी देती है। सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी के मुताबिक व्यक्तिगत निवेशकों के लिए 15 फीसदी तो किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ/एफपीसी) के लिए 25 फीसदी तक की आर्थिक मदद की जाएगी। अगर आप मखाना की खेती करना चाहते हैं तो सबसे पहले जगह का चुनाव कर लें। जलाशयों, तालाबों निचली जमीन में रुके हुए पानी को इसकी खेती के लिए चुनें। चिकनी दोमट मिट्टी भी इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। बता दें की मखाना की खेती धान के साथ भी की जा सकती है। दोनों ही फसलों को पानी की अत्याधिक जरूरत पड़ती है। ऐसे में दोनों की उपज साथ में हासिल करके किसान दोगुना मुनाफा कमा सकते हैं।

एफपीआई ने मई के पहले पखवाड़े में बाजारों में 23,152 करोड़ डाले

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में 23,152 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और वृद्धि की गुंजाइश घटने, मजबूत वृहद आर्थिक परिदृश्य और कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने के बीच विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार की तरफ आकर्षण बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इसके साथ ही एफपीआई 2023 में 8,572 करोड़ रुपए के साथ शुद्ध लिवाल बन गए हैं। बाजार` के जानकारों ने कहा` कि आगे चलकर शेष माह में भी एफपीआई प्रवाह मजबूत रहने की उम्मीद है, क्योंकि अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद के अनुरूप रहे हैं। रुपया मजबूत बना हुआ है और निकट भविष्य में डॉलर में गिरावट की संभावना है। ऐसे में एफपीआई भारत में लिवाली जारी रखेंगे। भारत के वृहद संकेतकों में सुधार से भी यहां प्रवाह बढ़ेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने दो-12 मई के दौरान भारतीय शेयर बाजार में 23,152 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले अप्रैल में उन्होंने शेयरों में 11,630 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए डॉले थे।

हीरो मोटोकॉर्प इस साल नए मॉडल्स उतारने की कर रही तैयारी: सीईओ

नई दिल्ली ।

हीरो मोटोकॉर्प ने चालू वित्त वर्ष में रिकॉर्ड संख्या में नए मॉडल उतारने की योजना बनाई है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निरंजन गुप्ता ने कहा कि हीरो मोटोकॉर्प विशेष रूप से प्रीमियम खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी मजबूत करना चाहती है। देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी चालू वित्त वर्ष के दौरान कई नई बाइक पेश करेगी। कंपनी वित्त वर्ष के दौरान हीरो मोटोकॉर्प-हार्ले डेविडसन गठजोड़ के तहत पहला उत्पाद उतारेगी।किफायती बाइक खंड (100-110सीसी) में कंपनी सबसे आगे है और वह 125 सीसी में उपस्थिति बढ़ाने और 160 सीसी और आगे के खंड में नए मॉडल लाने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि हम चालू वित्त वर्ष की प्रत्येक तिमाही में नया उत्पाद लाएंगे। संभवतः इस वित्त वर्ष में हम कंपनी के इतिहास में सबसे अधिक नए मॉडलों की पेशकश करेंगे। उन्होंने कहा कि इस साल कंपनी वृद्धि की संभावनाओं को लेकर आशान्वित है और वह विभिन्न खंडों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। गुप्ता ने कहा कि हम वित्त वर्ष को लेकर उत्साहित हैं और अपनी बाजार हिस्सेदारी और मार्जिन में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। हम कई उत्पाद उतारने जा रहे हैं। प्रत्येक तिमाही में एक नया उत्पाद उतारा जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी प्रीमियम खंड में कई नए मॉडल उतारेगी। कंपनी 150 सीसी से 450 सीसी की प्रीमियम खंड की बाइक पर ध्यान दे रही है। कंपनी अपने इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा के विस्तार की घोषणा पहले ही कर चुकी है। चालू वित्त वर्ष में कंपनी का इरादा विडा को 100 शहरों तक पहुंचाने का है।

कच्चा तेल स्थिर, पेट्रोल और डीजल नोएडा में सस्ता, गाजियाबाद में महंगा

- ब्रेंट क्रूड का भाव 74.28 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कुछ समय से कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। ब्रेंट क्रूड कई दिनों से 75 डॉलर के नीचे ही चल रहा है। इस बीच सोमवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। सोमवार को एनसीआर के कई शहरों में तेल के खुदरा दाम बदल गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार तमबुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 23 पैसे गिरकर 96.53 रुपए गया, जबकि डीजल 22 पैसे टूटकर 89.71 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपए लीटर पहुंच गया जबकि डीजल 30 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 9 पैसे बढ़ी और 97.10 रुपए लीटर हो गई, जबकि डीजल 15 पैसे चढ़कर 89.88 रुपए लीटर पहुंच गया है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में खास उछाल नहीं दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 74.28 डॉलर प्रति बैरल हो चुका है। डब्ल्यूटीआई भी आज बढ़त के साथ 70.20 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.53 रुपए और डीजल 89.71 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपए और डीजल 89.88 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

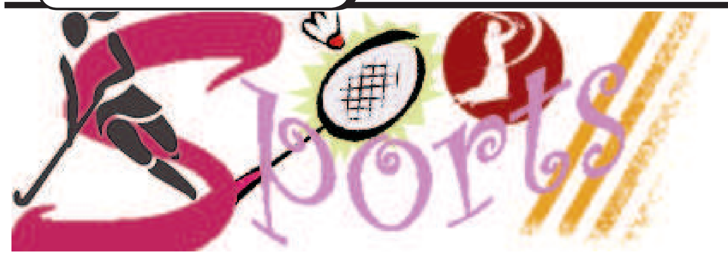

शिवम ने लगाया तेज शॉट , केकेआर की चीयरलीडर्स बाल-बाल बचीं

चेन्नई । आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच हुए मैच में सीएसके के शिवम दुबे ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 48 रन बनाये। शिवम ने अपनी पारी के दौरान एक चौका और तीन छक्के लगाये। शिवम ने अपनी इस पारी में कई तेज शॉट लगाये। ऐसा ही एक तेज शॉट उन्होंने 11.4 ओवर में सुयश शर्मा की गेंद पर लगाया। तब गेंद केकेआर की चीयरलीडर्स को लगते-लगते बची। उस समय बाउंड्री के पास कुर्सी पर बैठी चीयरलीडर्स अगर तेजी से नहीं हटतीं तो गेंद उन्हें लग जाती। सीएसके की ओर से शिवम के अलावा अन्य खिलाड़ियों की बल्लेबाजी सामान्य रही। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे ने 28 गेंद में 30 रनों की पारी खेली। इसके अलावा रविंद्र जडेजा ने 24 गेंद में 20 रन बनाए। वहीं रुतुराज गायकवाड़ ने 17 जबकि अजिंक्य रहाणे ने 16 रन बनाये। केकेआर की ओर से एक बार फिर रिंकू सिंह का जादू चला। रिंकू के साथ कप्तान नीतीश राणा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। राणा ने नाबाद 57 रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 1 छक्का भी लगाया। वहीं रिंकू ने 54 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाये।

घरेलू मैदान पर मुम्बई को हराकर प्लेऑफ के लिए दावेदारी पेश करने उतरेगी लखनऊ

लखनऊ ।

लखनऊ सुपर जाइंट्स मंगलवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सुपर जाइंट्स का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी को मजबूत बनाना रहेगा। सुपर जाइंट्स इस मैच में जीत की इसलिए भी प्रबल दावेदार रहेगी क्योंकि उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा हालांकि इसके बाद भी उसकी राह आसान नहीं रहेगी। इसका कारण है कि लीग के अंतिम चरण में फार्म में लौटी मुंबई इडियंस अपनी ओर से जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। मुम्बई के अभी 14 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है जबकि लखनऊ 13 अंक के साथ ही चौथे स्थान पर है । ऐसे में दोनों टीमों इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर अगला बढ़ाना चाहेंगी। अभी आठ टीम इस दौड़ में बनी हुई हैं।

मुंबई के लिए राहत की बात ये है कि उसके आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फॉर्म में लौट आये हैं और पिछले दो मैचों में उन्होंने अपनी धमाकेदार परियों से टीम को जीत दिलायी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ कप्तान रोहित शर्मा ने भी रन बनाकर फार्म में आने के संकेत दिये हैं। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा की जगह पर आये निहाल वढेरा ने भी अब तक के मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है। गेंदबाजी में अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला ने विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया हुआ है। युवा आकाश बढवाल ने भी अच्छी गेंदबाजी की है। इस मैच में भी स्पिनर अहम हावी रह सकते हैं। वहीं लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई और कार्यवाहक कप्तान कृणाल पंड्या ने भी पिछले मै में प्रभावी गेंदबाजी की थी। अनुभवी अमित मिश्रा भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। तेज गेंदबाज खासकर आवेश खान को बेहतर गेंदबाजी करनी होगी अब तक वह महंगे साबित हुए हैं। टीम की बल्लेबाजी क्विंटोन डिकॉक , काइल मायर्स के अलावा युवा बल्लेबाज प्रेरक मांकड़ पर आधारित रहेगी। कुल मिलाकर यह मुकाबला रोमांचक रहने की संभावनाएं हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

मुंबई इंडियंस- रोहित शर्मा (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडॉर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन, डुआन जानसेन, क्रिस जॉर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव।

लखनऊ सुपरजाइंट्स: कृणाल पंड्या (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन , क्विंटोन डिकॉक , नवीन उल हक, आयुष बडोनी, अवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, करुण नायर और मयंक यादव।

गावस्कर को ऑटोग्राफ देते दिखे धोनी

चेन्नई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर भी उनके पीछे ऑटोग्राफ के लिए दौड़ते दिखे। धोनी ने उन्हें ऑटोग्राफ दिया। गावस्कर ने अपने सीने के पास शर्ट पर ऑटोग्राफ लिया। सीएसके का मौजूदा सत्र में यह चेपॉक मैदान पर अंतिम मुकाबला था। मैच के बाद धोनी टेनिस रैकेट और ऑटोग्राफ वाली टेनिस गेंदों के साथ मैदान में आये और वहां मौजूद दर्शकों को रैकेट से मारकर गेंद देने लगे। इसबीच गावस्कर उनके पास पहुंचे और फिर धोनी ने उनके सीने के पास शर्ट पर अपने हस्ताक्षर कियाया। इसके बाद धोनी ने गावस्कर को गले से लगा लिया।

गावस्कर धोनी के काफी बड़े प्रशंसक माने जाते हैं। धोनी ने कप्तान के तौर पर जब सीएसके की ओर से अपना 200वां मैच खेला था तब भी गावस्कर ने उन्हें आईपीएल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ कप्तान बताया था। गावस्कर ने कहा कि न उनके जैसा कोई कप्तान हुआ है और न ही भविष्य में होगा। उनके नेतृत्व के कारण ही सीएसकके की टीम कठिन हालातों से बाहर निकलना जानती है। साथ ही कहा कि किसी भी एक फ्रेंचाइजी की ओर से 200 मैचों में कप्तानी करना आसान काम नहीं होता है, कप्तानी एक बोझ की तरह है जिससे खिलाड़ी का प्रदर्शन भी प्रभावित होता है पर धोनी एक अलग प्रकार के कप्तान हैं इसलिए उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतर बना रहा।

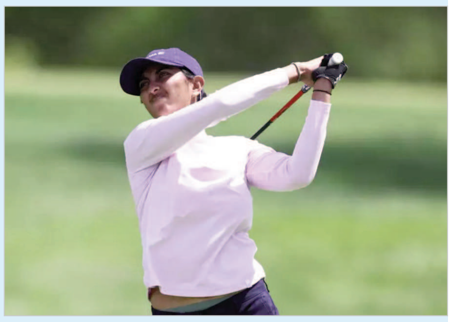

फाउंडर्स कप : भारत की अदिति संयुक्त पांचवें स्थान पर रहीं

क्लिफ्टन । भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक फाउंडर्स कप में संयुक्त पांचवें स्थान पर रहीं हैं। अदिति इसमें एक ओवर 73 का ही स्कोर कर पायीं। वह तीन दिन खिताब की दौड़ में बने रहने के बाद पीछे हो गयी। वह इससे पहले अदिति जेएम ईगल एलए चैम्पियनशिप में भी उपविजेता रहीं थीं। अपने इस प्रदर्शन के बाद वह रेस टू सीएमई ग्लोब में शीर्ष 20 में पहुंच जायेगी पर एलपीजीए टूर पर खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने के लिये अभी उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अगले सप्ताह वह आरामको सीरिज फ्लोरिडा में खेलेंगी। कोरिया की जिन यंग को ने पांच साल में तीसरी बार फाउंडर्स कप जीता जबकि मिंजी ली को दूसरा स्थान मिला।

हरमनप्रीत की कप्तानी में एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली ।

हरमनप्रीत सिंह एफआईएच प्रो लीग हॉकी के यूरोपीय चरण में भारतीय पुरूष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम अब तक अपने मैदान पर एफआईएच प्रो लीग के पिछले चरण में विजेता रही है और अब उसका लक्ष्य विश्व चैम्पियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी अपने अपराजेय रिकार्ड को बनाये रखना रहेगा। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का मुकाबला लंदन में बेल्जियम और ब्रिटेन से होगा जबकि नीदरलैंड में उसे अर्जेंटीना और नीदरलैंड से होगा। इस टूर्नामेंट से गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक की टीम में वापसी हुई है। उन्हें अनुभवी पी आर श्रीजेश के साथ रखा गया है। इनके अलावा टीम में पांच पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ हरमनप्रीत, अमित रोहिदास,जरमनप्रीत सिंह, संजय और मनदीप मोर भी शामिल हैं ।

मनप्रीत सिंह अब मिडफील्ड की बजाय बैकलाइन में सुमित और गुरिंदर सिंह के साथ रहेंगे। मिडफील्ड में उपकप्तान हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, एम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद हैं। वहीं फॉरवर्ड पंक्ति में सिमरनजीत सिंह की वापसी हुई है।

उनके साथ अभिषेक, ललित उपाध्याय, एस कार्ति, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, राजकुमार पाल और मनदीप सिंह रहेंगे।

भारतीय टीम के कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा ,'' यह टूर्नामेंट शीर्ष टीमों के खिलाफ अपनी तैयारियों के आंकलन का अच्छा अवसर है। इससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा।''

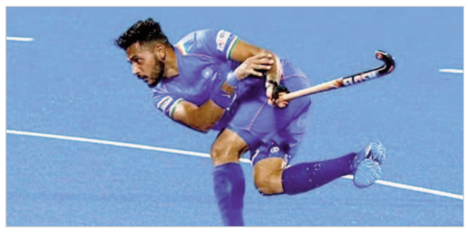

भारतीय टीम इस प्रकार है

- **गोलकीपर** - कृशन बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश
- **डिफेंडर** - हरमनप्रीत सिंह (कप्तान) ,अमित रोहिदास,जरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, मनदीप मोर, गुरिंदर सिंह
- **मिडफील्डर** - हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, एम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद
- **फॉरवर्ड** - सिमरनजीत सिंह, अभिषेक, ललित उपाध्याय, एस कार्ति, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, राजकुमार पाल और मनदीप सिंह ।

संक्षिप्त समाचार

अगले सत्र में भी खेलेंगे धोनी : विश्वनाथन

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के अगले सत्र में भी खेलेंगे। एक और जहां अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी इस सत्र के बाद आईपीएल को अलविदा कह देंगे। वहीं विश्वनाथन ने अपने बयान से इसपर विराम लगा दिया है। सीएसके द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि धोनी अगले सीजन में भी खेलेंगे, इसलिए मुझे उम्मीद है कि प्रशंसक हर बार की तरह हमारा समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी स्टंप के पीछे हमेशा की तरह प्रभावशाली रहे हैं और एक कप्तान के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में उनकी भूमिका में एक बड़ा बदलाव आया है। 41 साल के हो रहे धोनी ने इस सीजन में नंबर 8 पर बल्लेबाजी की है, उन्होंने कुछ ही गेंदें खेली हैं, उनमें से अधिकांश पर छक्के लगाये हैं हालांकि वह घुटने की कुछ चोटों से भी जूझ रहे हैं, जिससे अगले सत्र में उनकी फिटनेस को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं विश्वनाथन ने इसे सामान्य बताया। इससे पहले आईपीएल 2023 के 61वें मैच के बाद लगा कि ये धोनी का आखिरी सत्र है। ऐसा इसलिए क्योंकि टीम प्रबंधन ने इसे यादगार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान धोनी ने टेनिस बॉल भी दर्शकों को दीं। सीएसके के इस आईपीएल सीजन के खेल की बात करें तो धोनी की टीम ने अब तक इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर कायम है। चेन्नई ने अबतक 13 मैच खेलकर 7 मैचों में जीत दर्ज की है जबकि 5 में हार मिली है।

रामोस को हराकर विश्व रैंकिंग में फिर से शीर्ष पर पहुंचे अल्कराज

रोम । स्पेन के कार्लोस अल्कराज एक बार फिर विश्वकप के नंबर एक खिलाड़ी बन गये हैं। अल्कराज ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अपने पदार्पण मैच में ही अल्बर्ट रामोस विनोलास को 6-4, 6-1 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे वह जोकोविच की जगह नंबर एक खिलाड़ी बन गये हैं। अब 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में अल्कराज पहली वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रहेंगे। अल्कराज पिछले 12 मैच से लगातार जीत रहे हैं। इससे पहले उन्होंने बार्सिलोना और मैड्रिड में भी जीत दर्ज की थी। इस साल क्ले कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड भी 20-1 हो गया है। अब अल्कराज का मुकाबला दूसरे दौर में जिरी लेहेका या हंगरी के क्वालीफायर फैबियन मरोज़सन से होगा। वहीं पुरुष एकल वर्ग के अन्य मैचों की बात करें तो छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने एलेक्स मोल्केन को 6-3, 6-4 से, हराया। इसके अलावा महिला एकल वर्ग के तीसरे दौर के मैचों में कोलंबियाई क्वालीफायर कैमिला ओसोरियो ने पांचवीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन गार्सिया को 6-4, 6-4 से, एंहेलिना कलिनिना ने सोफिया केनिन को 6-4, 6-2 से और वांग ज़ियू ने टेलर टाउनसेंड को 6-2, 0-6, 7-5 से हराया।

18 मई को ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच खेलेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ अपना पहला मैच 18 मई को खेलेगी। इस दौरे में भारतीय टीम पहले तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम और उसके बाद अंतिम दो मैचों में ऑस्ट्रेलियाई ए टीम से खेलेगी। ये सभी मैच एडिलेड में खेले जाएंगे। भारतीय टीम के अगले दो मैच 20 और 21 मई को होंगे। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ए से 25 और 27 मई को मैच खेलने हैं।

अभी विश्व रैंकिंग में भारतीय टीम आठवें स्थान पर जबकि ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम तीसरे नंबर पर है। वहीं चीन में एशियाई खेल इसी साल सितंबर अक्टूबर में होंगे। भारतीय टीम के कोच यानेके शोपमैन ने इस दौरे को लेकर उत्साहित हैं उन्होंने कहा,'' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने से हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हम दुनिया की शीर्ष महिला टीमों के खिलाफ किस हाल में हैं।'' उन्होंने कहा,'' सबसे अहम बात यह है कि यह सीरीज चीन में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों को देखते हुए बेहद अहम रहेगी क्योंकि इससे हमें यह पता करने में सहायता मिलेगी कि हमें

किन विभागों में सुधार और बदलाव करने की जरूरत है। इसलिए यह सीरीज हमारे लिए बेहद अहम होगी।''भारतीय टीम ने पिछले साल दिसंबर में एफआईएच महिला नेशंस कप में स्पेन को हराकर खिताब जीता था और अब उसी प्रदर्शन से प्रेरित लेकर वह बढ़े मनोबल के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी।

7 करोड़ में खरीदे रायुडू रहे फ्लॉप, अब अगले मैचों में शायद ही जगह मिले

चेन्नई । आईपीएल के इस 16 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से आक्रामक बल्लेबाज अंबाती रायुडू अब तक विफल रहे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ भी वह 4 रन ही बना पाये थे। ऐसे में अब आगे के मैचों में उन्हें शायद ही टीम में जगह मिले। 37 साल के रायुडू को आईपीएल 2022 की नीलामी में सीएसके ने 6.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस प्रकार उन्हें करीब सात करोड़ रुपये उन्हें मिले पर वह इस सत्र के 10 मैच में 15 की औसत से केवल 122 रन ही बना सके हैं। नाबाद 27 रन उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है। वह किसी भी मैच में 30 रन से ज्यादा नहीं बना पाये। केकेआर के खिलाफ वे 7 गेंद पर सिर्फ 4 ही रन बना सके। आईपीएल में रायुडू ने 200 मैच में 4312 रन बनाए हैं। जिसमें एक शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। रायुडू ने 55 एकदिवसीय में 47 की औसत से 1694 रन बनाए हैं जिसमें 3 शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं नाबाद 124 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। रायुडू का टी20 में कुल मिलाकर अच्छा रिकार्ड रहा है। उन्होंने 288 मैच की 268 पारियों में 27 की औसत से 5992 रन बनाये हैं। इसमें एक शतक और 31 अर्धशतक शामिल है। वहीं नाबाद 100 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उनका स्ट्राइक रेट 124 का रहा है। उन्होंने 200 से अधिक छक्के भी लगाये हैं।

अंपायरों पर भड़के केकेआर के कप्तान राणा

चेन्नई । कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान नीतीश राणा आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में अंपायरों पर भड़क गये। यह मामला सीएसके की पारी के अंतिम से पहले के ओवर का है। । इसमें शार्दुल ठाकुर अपना 19वां ओवर कर रहे थे। इस ओवर की 5वीं गेंद को अंपायरों ने वाइड बताया। इस पर शार्दुल ठाकुर ने डीआरएस लिया। अंपायरों ने इसे थर्ड अंपायर के पास रेफर कर दिया जबकि राणा ने इसके लिए कोई संकेत नहीं किया था जबकि डीआरएस लेने पर फैसला कप्तान को करना होता है। इसी बात से नीतीश नाराज नजर आये। इसको लेकर वह अंपायरों से गुस्सा हो गये। वहीं 20 ओवर समाप्त होने के बाद उन्हें धीमी ओवर गति के कारण मिली सजा को देखते हुए अंतिम ओवर में पांच की जगह 4 फील्डर ही सर्कल से बाहर रखने पड़े। इस पर नीतीश और भी नाराज हो गये। तब क्रीज पर मौजूद शिवम और रविंद्र जडेजा के साथ वैभव अरोड़ा अंतिम ओवर फेंकने वाले थे। इसके बाद अंपायरों और राणा के बीच तीखी बहस भी हुई।

धोनी ने टीम के साथ लगाया मैदान का चक्कर , प्रशंसकों का आभार जताया

चेन्नई ।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को हुए आईपीएल लीग मुकाबले के बाद जिस प्रकार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने यहां टीम के साथ एमए चिदंबरम स्टेडियम का चक्कर लगाया और प्रशंसकों का आभार जताया उससे माना जा रहा है कि यह इस मैदान पर उनका अंतिम मैच था। इस मैच में पीली जर्सी पहने सीएसके हजारों प्रशंसक धोनी की एक झलक पाने के लिए आये हुए थे। मैच में बाद धोनी ने पूरी टीम के साथ मैदान का चक्कर लगाया। इस दौरान उन्होंने रैकेट से स्टैंड्स की ओर टेनिस गेंद उछालकर प्रशंसकों को धन्यवाद दिया। इस दौरान सभी ओर धोनी-धोनी की धूम थी। इससे लगता है कि धोनी ने अपना अंतिम मैच इस मैदान पर खेल लिया है। इस दौरान सभी लोग भावुक नजर आये। धोनी इस दौरान मैदान पर मौजूदा पुलिस अधिकारियों को भी धन्यवाद देते दिखे। उन्होंने धुटने के दर्द के कारण नी-कैप पहनी हुई थी। इस दौरान वह महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को भी उनकी शर्ट पर ऑटोग्राफ देते हुए दिखे। इस मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड हासिल करने वाले केकेआर के रिंकू सिंह को भी उन्होने ऑटोग्राफ दिया। इससे सवाल उठ रहे है कि क्या ये धोनी का इस मैदान पर अंतिम आईपीएल मैच था। यह अब केवल दो मुकाबले और खेले जाएंगे। इसमें 23 मई को पहला क्वालीफायर और 24 मई को एलिमिनेटर मुकाबला है। ऐसे में अगर सीएसके प्लेऑफ में पहुंचती है तो उम्मीद है कि माही के प्रशंसकों को एक बार फिर उन्हें इस मैदान पर खेलते हुए देखने का सौभाग्य मिले। ये तो तय है कि यह धोनी का अंतिम आईपीएल है हालांकि अभी तक उन्होंने अपनी ओर से कुछ नहीं कहा है।

सीएसके अभी 13 मुकाबलों में 15 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में ब्रिगटन एंड होव के जूलियो एनसिस्को के गोल को रोकने का प्रयास करते हुए गोलकीपर एरोन रामसडेल।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अरुणाचल के समुदाय आधारित संगठन के सदस्यों का गुजरात दौरा

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के छोटे तथा विकसित हो रहे राज्यों को भी बड़े राज्यों के समकक्ष विकास के लिए एकजुट कर विकास की राजनीति से एक नई दिशा दी है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि विकास की राजनीति और सबको साथ लेकर चलने के प्रधानमंत्री के इस उद्देश्य को देश के राज्य एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं एवं श्रेष्ठतम बातों के आदान-प्रदान के माध्यम से साकार कर रहे हैं। सोमवार को गांधीनगर में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में गुजरात के दौरे पर आए समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ) के प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद-वार्तालाप करते हुए उन्होंने यह बात कही। अरुणाचल प्रदेश का यह प्रतिनिधिमंडल आदिवासी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, ढांचागत सुविधा विकास और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन (पीएफएम) जैसे क्षेत्रों में गुजरात द्वारा विकास के मानदंडों में हासिल किए गए नेतृत्व के निरीक्षण एवं अध्ययन के लिए गुजरात के दौरे पर आया है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू एवं स्वास्थ्य मंत्री एलो लिबांग के नेतृत्व में इस प्रतिनिधिमंडल में समुदाय आधारित संगठन अरुणाचल प्रदेश स्वदेशी जनजाति फोरम के पदाधिकारी शामिल हैं। उन्होंने गुजरात दौरे के दौरान स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जाकर नर्मदा जिले में आदिवासियों के आर्थिक उत्कर्ष की विभिन्न गतिविधियों को भी देखा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अपने गुजरात दौरे के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पैतृक भूमि गुजरात द्वारा देश और दुनिया में विकास के रोल मॉडल के रूप में प्राप्त की गई ख्याति को प्रत्यक्ष रूप से देखने का यह उनके लिए एक सुनहरा अवसर है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद में कहा कि प्रधानमंत्री ने वंचित प्रदेशों को विकास की धारा में लाने का सफल प्रयास किया है। आज सड़क कनेक्टिविटी और स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध हैं। उन्होंने इस अवसर पर गुजरात के साथ अरुणाचल प्रदेश के सांस्कृतिक अनुबंध को उजागर करने वाले माधवपुर के मेले का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए पंच संकल्पों- विकास में भागीदारी, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता के साथ विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना और नागरिकों के कर्तव्य जैसे संकल्पों को सभी साथ मिलकर चरितार्थ करें।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के राज्यों में सहयोग की जो भावना विकसित की है, उसमें गुजरात-अरुणाचल प्रदेश का परस्पर सहयोग नया बल प्रदान करेगा। पेमा खांडू ने अनुरोध किया कि अरुणाचल प्रदेश के पर्यटन विकास और व्यापार-वाणिज्य विकास की विशिष्ट सोच के साथ गुजरात जैसे विकास के रोल मॉडल राज्य के अनुभव और श्रेष्ठता का लाभ उनके राज्य को भी मिले। उन्होंने यह भी कहा कि अरुणाचल प्रदेश और गुजरात ऐसे जुड़ाव के जरिए प्रधानमंत्री के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विचार को मूर्तिमंत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

वार्तालाप-संवाद के प्रारंभ में मुख्य सचिव राजकुमार ने अरुणाचल प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत कर दौरे का उद्देश्य स्पष्ट किया। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव जेपी गुप्ता ने गुजरात के विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और बहुमुखी विकास के लिए वित्तीय आयोजन पर रोशनी डालने वाली प्रस्तुति दी। अरुणाचल प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल की ओर से समुदाय आधारित संगठन के वरिष्ठ सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस वार्तालाप-संवाद बैठक में राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन और पर्यटन सचिव हारित शुक्ला सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर उतरे सूरत के नए सिविल अस्पताल के सफाईकर्मी

सूरत। शहर के नए सिविल अस्पताल के चतुर्थ श्रेणी के सफाई कर्मचारी वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर उतर गए हैं। सफाईकर्मियों का कहना है कि जितना कहा गया था, उतना वेतन बढ़ाया नहीं गया और जब तक इसमें वृद्धि नहीं होती तब तक उनकी हड़ताल जारी रहेगी। दूसरी ओर अस्पताल के अधीक्षक का कहना है कि कर्मचारियों को गुमराह किया है, जल्द ही उनके साथ चर्चा का समस्या का समाधान किया जाएगा। सूरत का सिविल अस्पताल आज फिर एक बार चर्चा में आ गया है। अबकी बार अस्पताल के सफाईकर्मियों की हड़ताल को लेकर चर्चा में आया है। सफाई कर्मचारी वेतन में वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों का कहना है कि 6 महीने पहले वेतन में वृद्धि की घोषणा की गई थी, लेकिन उतना वेतन नहीं दिया जा रहा। कर्मचारियों को रु. 21000 जितना वेतन मिलना चाहिए, उसकी जगह केवल 12000 रुपए वेतन दिया जा रहा है। सूरत से अधिक राजकोट में वेतन मिलता होने की जानकारी के बाद यहां पर कर्मचारी हड़ताल उतरे हैं। सफाईकर्मियों ने आज अस्पताल के अधीक्षक की ऑफीस के बाहर का रास्ता ब्लॉक कर दिया और 'हमारी मांगें पूरी करो' के नारे लगाए। साथ ही मांग पूरी नहीं होने तक हड़ताल जारी करने की चेतावनी भी दी। दूसरी ओर अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि सफाईकर्मियों को गुमराह किया गया है। जिस प्रकार राजकोट सिविल अस्पताल के कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि की गई है उतनी ही वृद्धि सूरत सिविल अस्पताल के सफाईकर्मियों के वेतन में की गई है। फिलहाल सूरत सिविल के कर्मचारियों के खाते में रु. 12000 जितना वेतन दिया जा रहा है। जबकि शेष रकम ईसीएसआई में जमा की जा रही है। इस प्रकार कुल रु. 16000 जितना वेतन सूरत सिविल अस्पताल के कर्मचारियों को दिया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक सफाईकर्मियों की हड़ताल उचित नहीं है। सफाईकर्मियों को बुलाकर उनसे बातचीत कर समस्या का समाधान किया जाएगा।

शहर में अंधाधुंध बस चला रहे बीआरटीएस के ड्राइवर को महापौर ने लगाई फटकार

सूरत। शहर में आए दिन होनेवाली दुर्घटनाओं में कई बार सिटी बस और बीआरटीएस बस ड्राइवरों की लापरवाही सामने आई है। आज ऐसे ही एक ड्राइवर को सूरत की महापौर हेमाली बोघावाला ने सिर्फ कड़ी फटकार लगाई, साथ ही उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही के भी संबंधित अधिकारी आदेश दिया। जानकारी के मुताबिक सूरत के ऋषभ टावर से पालनपुर पाटिया की ओर बीआरटीएस बस सरपट दौड़ी चली जा रही थी। ड्राइवर दिनेश मकवाणा अंधाधुंध बस चला रहा था। पीक अवर्स के दौरान लापरवाही के साथ तेज बस चलाने की वजह से उसके आसपास चल रहे खासकर दुपहिया वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकते थे।

उसी वक्त सूरत की महापौर हेमाली बोघावाला वहां से गुजर रही थीं, जिन्होंने बीआरटीएस बस की गति को देख तुरंत अपने कार के ड्राइवर को उसका पीछा करने को कहा। सूरत के सोना होटल के निकट महापौर की कार ने बीआरटीएस बस को रोक लिया। जिसके बाद हेमाली बोघावाला अपनी गाड़ी से उतरीं और अंधाधुंध बस चला रहे दिनेश मकवाणा कड़ी फटकार लगाई और कहा कि उसकी लापरवाही से अन्य वाहन चालकों की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन की सेवा मुहैया कराने वाली बीआरटीएस और सिटी बस के ड्राइवरों को अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से समझनी चाहिए। बस ड्राइवरों की इस प्रकार की गंभीर लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर हेमाली बोघावाला ने बीआरटीएस बस ड्राइवर दिनेश मकवाणा के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का संबंधित विभाग के अधिकारी को आदेश भी दिया है।

नशीला पेय पिलाकर युवती से दुष्कर्म, नौकरी दिलाने की लालच देकर जमीन दलाल की करतूत

सूरत। नौकरी की लालच देकर एक युवती के साथ जमीन दलाल और उसके दोस्त द्वारा दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। दुष्कर्म के बाद आरोपियों ने युवती को धमकी भी दी थी। गत फरवरी महीने के पहले सप्ताह की घटना के बारे में बीते दिन युवती ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के अडाजण क्षेत्र में रहनेवाली 32 वर्षीय युवती अपने पिता के गैरेज के लिए किराये की जमीन खोज रही थी। तब उसका संपर्क दिलीप खांडेलिया के साथ हुआ। दिलीप खांडेलिया पेशे से जमीन दलाल है और शहर के वेसू वीआईपी रोड स्थित एटलान्टा बिजनेस हब में उसकी ऑफीस है। दिलीप खांडेलिया ने युवती को उसके पिता गैरेज के लिए दो-तीन जगह दिखाई। लेकिन युवती को वह जगह पसंद नहीं आई। गत फरवरी के पहले सप्ताह में दिलीप खांडेलिया ने नौकरी दिलाने के बहाने उसका परिचय अजय दिवान नामक शख्स से कराया। दिलीप ने बताया कि अजय दिवान जमीन व्यवसायी है और बड़े पैमाने पर वह काम करता है। जमीन के साथ ही नौकरी दिलाने की लालच देकर दिलीप खांडेलिया ने युवती को संगिनी सर्कल के निकट बुलाया। जहां से अपनी कार में बिठाकर दिलीप खांडेलिया युवती को लेकर शहर के एयरपोर्ट के सामने स्थित राजहंस बेलिजा के रूम में ले गया। जहां पूर्वनियोजित साजिश के तहत अजय दिवान ने युवती को नशीला पेय पिलाया। जिसके बाद दिलीप और अजय युवती के साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लगे। आरोपियों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया और समाज में बदनाम करने समेत जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बारे में बीती दिन युवती ने दिलीप खांडेलिया और अजय दिवान के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। युवती की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

अहमदनगर में धार्मिक जुलूस पर हुई पत्थरबाजी, आठ पुलिसकर्मी घायल

अहमदनगर। महाराष्ट्र के अहमदनगर में हिंसा होने की खबर आ रही है। जिले के शेवगाव में रविवार रात एक धार्मिकयात्रा के दौरान दो गुटों में झड़प हो गई जिसके बाद हिंसा और जमकर पत्थरबाजी हुई। हिंसा के दौरान आठ पुलिस के जवान जख्मी हो गए है। इस धार्मिक यात्रा के लिये अतिरिक्त पुलिस, एसआरपीएफ फोर्स की पहले से ही तैनाती की गई थी। हिंसा और पत्थरबाजी के मामले में पुलिस ने 50 लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हिंसा में विलास गायकवाड़ की मौत हो गई थी। 40 साल के विलास इलेक्ट्रिशियन थे। फिलहाल हालात काबू में हैं। यह घटना औरंगाबाद और अहमदनगर शहर से तकरीबन 80 किलोमीटर दूरी पर हुई। मौके पर भारी संख्या में पुलिसबल की तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती पर रविवार शाम को एक जुलूस निकाला गया था। इसी दौरान एक गुट ने जुलूस पर पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद एक धार्मिक स्थल पर दूसरे गुट की तरफ से भी पथराव किया गया और हिंसा भड़क उठी।

पुलिस ने अब तक इस मामले में 50 लोगों को हिरासत मे लिया है। अहमदनगर में बीते एक महीने में हिंसा का यह दूसरा मामला है। बीते अप्रैल में दो गुटों में हुई जबरदस्त भिडंत ने हिंसा का रूप ले लिया था। इस दौरान पत्थरबाजी हुई थी और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। यहां दो लोगों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि उसने हिंसा का रूप ले लिया। इससे पहले शनिवार को ही महाराष्ट्र के अकोला में इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दो समुदायों में झड़प हो गई थी। इसके बाद जमकर पथराव हुआ था। उपद्रवियों ने इस दौरान कई गाड़ियां तोड़ दी थीं। हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। जबकि दो पुलिसकर्मी समेत 8 लोग जख्मी हुए थे। इसके बाद इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर धारा 144 लगा दी गई थी।

पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर किए गए एक आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर शिकायत करने थाने पहुंची भीड़ ने उग्र होकर तोड़फोड़ की थी। देखते ही देखते एक और समुदाय के लोग सामने आ गए, उन्होंने भी पथराव शुरू कर दिया था। दोनों पक्षों के बीच जमकर झड़प हुई। पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए बल का प्रयोग किया था। उपद्रवियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए थे।

अहमदाबाद के बाद अब गुजरात के इस शहर में सरेआम पीक मारने वालों की खैर नहीं

वडोदरा। अहमदाबाद के अब गुजरात के वडोदरा में भी सार्वजनिक स्थलों पर पीक मारने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख कर लिया है। वडोदरा में अब कमान्ड एन्ड कंट्रोल सेंटर के सीसीटीवी से वाहन चालकों पर बाज नजर रखी जा रही है। इसके अंतर्गत अब तक 33 वाहन चालकों को नोटिस भी जारी की जा चुकी है। दूसरी ओर आरटीओ भी इसका जानकारी हासिल कर रु.100 का जुर्माना लगाएगा। बता दें कि गुजरात की मेट्रो सिटी अहमदाबाद शहर में हाल ही में सार्वजनिक स्थलों पर पीक मारकर उसे गंदा करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती शुरू की है। पान-मसाला खाकर जहां तहां पीक मारने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है। अहमदाबाद महानगर पालिका सरेआम सड़कों पर पान-मसाला की पीक मारने वालों को दंडित कर रही है। कई वाहन चालकों को ई चालान भी जारी किया गया है।

महानगर पालिका ऐसे मामलों की जानकारी पुलिस से साझा करेगी। पिछले 2 महीने के भीतर 25। स्पिटिंग केस पुलिस को भेजे जा चुके हैं। अहमदाबाद के बाद सूरत में भी यह नियम लागू हो चुका है। सूरत में तो अब तक 18000 लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा चुकी है। सूरत की महापौर हेमाली बोघावाला ने बताया कि स्वच्छ भारत, स्वच्छ सूरत के तहत नागरिकों में स्वच्छता को लेकर जागृति बढ़ाने के उद्देश्य से महानगर पालिका ने यह पहल की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर पीक मारने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। महानगर पालिका के इन्टिग्रेटेड कमान्ड एन्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से सूरत पुलिस विभाग के विभिन्न स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से मोनिटरिंग कर सार्वजनिक स्थलों पर थूंकने वाले लोगों के खिलाफ दंडनीय कार्यवाही की जा रही है। अहमदाबाद और सूरत के बाद अब वडोदरा प्रशासन भी हरकत में आ गया है और सार्वजनिक स्थलों को गंदा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है।

केंटाबिल रिटेल ने सूरत, गुजरात में अपना नया स्टोर लॉन्च किया

सूरत। भारत के अग्रणी परिधान निर्माण और खुदरा विक्रेताओं में से एक, केंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने सूरत में अपना 5वां रिटेल स्टोर शुरू करने की घोषणा की है। 1350 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला, ब्रांड का स्टोर गुजरात के सूरत में नाना वराछा क्षेत्र में सरथाना जकातनाका कामरेज रोड पर डी-मार्ट के सामने ब्लू पॉइंट में ग्राउंड फ्लोर पर शॉप नंबर 3 और 4 में स्थित है।

बिल्कुल नया केंटाबिल रिटेल स्टोर अपने ग्राहकों के लिए खुदरा अनुभव के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है क्योंकि वे पुरुषों और महिलाओं के लिए फॉर्मल कपड़ों, कैजुअल और अल्ट्रा-कैजुअल कपड़ों की प्रतिस्पर्धी रेंज पेश करते हैं। इस स्टोर लॉन्च के साथ, केंटाबिल रिटेल भारत भर में 451 स्टोर मार्क तक पहुंच गया है और अपनी खुदरा उपस्थिति का विस्तार जारी रखने की योजना बना रहा है।

स्टोर के लॉन्च के अवसर पर, केंटाबिल रिटेल इंडिया लि. श्री दीपक बंसल, निदेशक ने कहा, हमें सूरत, गुजरात में अपना नया रिटेल स्टोर खोलने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। एक ब्रांड के रूप में केंटाबिल रिटेल को सभी आयु समूहों के मिड-प्रीमियम सेगमेंट में हमारे ग्राहकों के बीच अच्छी तरह से सराहा और सराहा गया है। हमने अपने ग्राहकों के लिए ट्रेंडी लेकिन प्रतिस्पर्धी फैशन परिधान की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सूरत में अपना 5वां रिटेल स्टोर खोला है। आज पूरे देश में हमारी मजबूत उपस्थिति है। हम अगले कुछ वर्षों में अपनी खुदरा उपस्थिति को और अधिक आक्रामक रूप से विस्तारित करने का भी लक्ष्य रखते हैं।

एज स्टाइल में प्रीमियम कपड़ों की पेशकश करने में केंटाबिल रिटेल हमेशा सबसे आगे रहा है। हर साल ब्रांड क्लासिक और स्टाइलिश परिधान तैयार करता है। यह साथ-साथ कपड़े को एक नया आख्यान देता है जो तेजी से बदलते समय के लिए प्रासंगिक है जिसमें हम रहते हैं।

जीएम डायमंड ग्रुप द्वारा रियल एस्टेट ब्रोकर्स के लिए आयोजित "डायमंड कप" टूर्नामेंट का समापन

सूरत भूमि, सूरत। देश और दुनिया में फिलहाल क्रिकेट फीवर छाया हुआ है और माहौल भी क्रिकेट प्रेमियों के उत्साह से महेक रहा है तब यह उत्साह दुगना हो ऐसा आयोजन सूरत में किया गया था। सूरत के अग्रणी रियल एस्टेट ग्रुप जीएम डायमंड ग्रुप की ओर से सूरत के रियल एस्टेट ब्रोकर्स के लिए च्डायमंड कपज्ज क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। शहर के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में 12 से 14 मई तक आयोजित इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में जांबाज डायमंड्स को हरा कर ब्रिटिश लायंस की टीम चैम्पियन बनी।

तीन दिवसीय टूर्नामेंट रोज शाम 5 बजे शुरू होती थी और यह टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों और विशेषत: रियल एस्टेट ब्रोकर्स के लिए रोमांचक टूर्नामेंट रही। टूर्नामेंट में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया था, जिसमें अधिकतर ब्रॉकर्स शामिल थे। टीमों के नाम भी रोचक रखे गए थे, जैसे कि जीएम टाइगर्स, जांबाज डायमंड्स, केरेला ग्रींस, ब्रिटिश लायंस, कच्छ बंजाराझ , गोवा स्ट्राइकर्स, रॉयल मारवाड़, ग्रीक स्क्वायड। सभी मैच लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट खेले गए और फाइनल मुकाबला जांबाज डायमंड्स और ब्रिटिश लायंस के बीच खेला गया, जिसमें ब्रिटिश लायंस ने यह मुकलबा 51 रन से जीतकर चैम्पियन का खिताब अपने नाम कर लिया।

डायमंड कप का उद्देश्य रियल एस्टेट ब्रोकर्स को नेटवर्क बनाने और उनके क्रिकेट के जुनून और साथियों के साथ एकजुट होने के लिए एक मंच प्रदान करना था। डायमंड विलेज, डायमंड कैरेट, डायमंड क्लासिक, डायमंड इको, डायमंड पार्क, डायमंड मिनी जैसे प्रतिष्ठित रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स के लिए शहर में जाने जाने वाले जीएम डायमंड ग्रुप के आयोजक टिम के अनुसार, "डायमंड कप को वास्तविक रूप से लॉन्च करते हुए हमें खुशी हो रही है। सूरत के विकास में रियल एस्टेट क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण योगदान है और इसके लिए हम रियल एस्टेट ब्रोकर्स को काम के बाहर एक- दूसरे से जुड़ने और उनके अन्य कौशल विशेष रूप से उनके क्रिकेट के प्रति प्यार को व्यक्त करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करना चाहते थे। हमे विश्वास है कि डायमंड कप के इस आयोजन में सभी को मजा आया होगा। डायमंड कप टूर्नामेंट की शुरुआत 12 मई को भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई। यह टूर्नामेंट रियल एस्टेट ब्रोकर्स के लिए नेटवर्किंग का एक बड़ा अवसर भी है और यह निश्चित है कि इस तरह का आयोजन सूरत में एक नई मिसाल कायम करेगा। उम्मीद है कि डायमंड कप एक वार्षिक टूर्नामेंट बन जाएगा और आने वाले वर्षों में सूरत में रियल एस्टेट क्षेत्र के लोगों को एक- दूसरे के करीब लाने के कार्य को जारी रखेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)